राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,24 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–58 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी हटाओ देश बचाओ पोस्टर का जवाब, केजरीवाल हटाओ, दिल्ली बचाओ, आप-बीजेपी में तकरार

केजरीवाल के धरना प्रदर्शन से पहले बीजेपी ने इस पोस्टर का जवाब पोस्टर से दिया है। भाजपा नेता हरीश खुराना ने अपना एक वीजियो ट्विटर पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो एक पोस्टर के साथ नजर आ रहे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच पोस्टर पर तकरार बढ़ती ही जा रही है। विभिन्न इलाकों से 'मोदी हटाओ देश बचाओ' स्लोगन लिखे पोस्टर हटाए जाने के बाद अब इसके विरोध में अरविंद केजरीवाल और पार्टी के अन्य नेता जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। लेकिन उससे पहले बीजेपी ने इस पोस्टर का जवाब पोस्टर से दिया है। भाजपा नेता हरीश खुराना ने अपना एक वीजियो ट्विटर पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो एक पोस्टर के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में लिखा है, 'अरविंद केजरीवाल को हटाओ दिल्ली बचाओ।' अपने वीडियो को शेयर करते हुए भाजपा नेता ने लिखा है, '@AamAadmiParty वालों हमने खुले में, नाम देकर पोस्टर निकाला है, तुम्हारी तरह नहीं जो चोरी छिपे बिना नाम के पोस्टर निकालें। हम तुम्हारी तरह डरते नहीं। @ArvindKejriwal

को दिल्ली से अब हटना ही चाहिए। अगर दिल्ली को बचाना है। यह आए थे भ्रष्टाचार मिटाने, खुद के 2 मंत्री जेल में हैं। जिस पोस्टर को भाजपा नेता ने शेयर किया है उसमें मनजिन्दर सिंह सिरसा का नाम भी नीचे लिखा हुआ है। मनजिन्दर सिंह सिरसा ने अपने ट्विटर अकाउंट पर यह पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, सच बोलने में कैसा डरना। इसलिए अपने नाम के साथ पोस्टर लगवा कर डंके की चोट पर कह रहा हूँ शराब की दलाली खाने वाला केजरीवाल कट्टर बेईमान, मक्कार और झूठा है। बताया जा रहा है कि जो पोस्टर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिल्ली में लगाए गए थे उसमें पोस्टर चिपकाने वालों का नाम नहीं था। इसे नियम का उल्लंघन बताया गया था और दिल्ली पुलिस ने ऐसे कई सारे पोस्टरों को हटा दिया था। जिसके बाद आम आदमी पार्टी आगबबूला हो गई थी। आम आदमी पार्टी की तरफ से बुधवार को ट्वीट कर कहा गया था कि खुद को 56 इंच बताने वाला 56 इंच के पोस्टर से डर गया। एक अन्य ट्वीट में पार्टी ने कहा था, 'PM Modi, इस पर कितनी F.I.R. करवाओगे? अब तो हर कोने से आवाज़ आ रही है। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है और 49 प्राथमिकी दर्ज की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पुलिस की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मोदी को असुरक्षित और डरा हुआ बताया था। इधर पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) मुख्यालय से बाहर निकल रहे एक वाहन से हजारों पोस्टर जब्त किए हैं। यह भी जानकारी सामने आई थी कि आम आदमी पार्टी के दफ्तर से निकल रहे एक वैन को पुलिस ने पकड़ा था। इस वैन में कई पोस्टर रखे हुए थे। हालांकि, इस पर प्रिंटिंग प्रेस का नाम नहीं लिखा हुआ था।

शराब पीकर फिर हंगामा: अब इंडिगो फ्लाइट में पैसेंजर्स ने क्रू-सहयात्रियों से की बदसलूकी, गिरफ्तार

मुंबई। इंडिगो की दुबई से मुंबई आ रही एक फ्लाइट में नशे की हालत में दो यात्रियों ने केबिन क्रू और सहयात्रियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी की। इस मामले के सामने आने के बाद मुंबई में दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि इस मामले में विमानन कंपनी इंडिगो की तरफ से ही शिकायत की गई थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर दोनों यात्रियों को अरेस्ट किया गया। हालांकि, यहां उन्हें एक अदालत से मामले में जमानत मिल गई। पुलिस के मुताबिक, ''दोनों आरोपी कोल्हापुर और पालघर के नालासोपारा के रहने वाले हैं। वे खाड़ी देश में एक साल काम करने के बाद लौट रहे थे।'' अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी देश लौटने की खुशी में शराब पी रहे थे। उनके नाम दत्तात्रेय बपरदेकर और जॉन जॉर्ज डिसूजा हैं। एक पुलिस अफसर ने कहा, ''जब अन्य यात्रियों ने उनके हंगामा करने पर आपत्ति जताई, तो उन्होंने उन्हें तथा बीच-बचाव करने वाले चालक दल के सदस्यों से अपशब्द कहे।'' सहार थाने के अधिकारी ने बताया कि दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (अन्य लोगों के जीवन व सुरक्षा को खतरे में डालना) और विमानन नियमों की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस साल विमान में बदसलूकी यह सातवीं घटना

अधिकारियों ने बताया कि यह विमान में किसी यात्री के अनुचित व्यवहार करने की इस साल सातवीं घटना है। इससे पहले, 11 मार्च को एक व्यक्ति को लंदन से मुंबई आ रहे विमान के शौचालय में धूम्रपान करने और उसके आपातकालीन निकास को खोलने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कब होगा शुरू, कितना काम हुआ पूरा

नई दिल्ली। दिल्ली से देहरादून को जोड़ने के लिए बन रहे छह लेन एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी पर है। 15 मार्च तक दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पहले दो चरणों की समीक्षा की गई, जिसमें नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एक्सप्रेसवे कार्य तय लक्ष्य के अनुरूप पाया है। इसके बाद एनएचएआई ने नवंबर से दिसंबर के बीच निर्माण पूरा करने की संभावना जताई है। उसके बाद जनवरी और फरवरी 2024 में एक्सप्रेसवे पर वाहनों का ट्रायल रन किया जाएगा। इस बीच ही एक्सप्रेसवे के लिए बन रही एलिविटेड रोड पर भार क्षमता यानी लोड टेस्ट भी किया जाएगा। उसके बाद फरवरी अंत या मार्च के पहले सप्ताह में एक्सप्रेसवे वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। एनएचएआई से जुड़े अधिकारी बताते हैं कि प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अक्षरधाम से यूपी बॉर्डर (लोनी) तक पहले चरण का काम 40 फीसदी पूरा हो गया है। इस चरण में पिलर खड़े करने का काम भी करीब 70 फीसदी पूरा हो गया है। इसके बाद पिलर के ऊपर गॉर्डर (स्पैन) रखने का काम चल रहा है। जिस हिस्से में पिलर रखने का काम शुरू हो गया है, सड़क भी तैयार की जा रही है। उधर, दूसरे हिस्से में लोनी बॉर्डर से बागपत (ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे) तक का काम भी करीब 45 से 50 फीसदी पूरा हो गया है। करीब दो किलोमीटर हिस्से में पिलर के ऊपर गॉर्डर (स्पैन) रखने का काम पूरा हो गया है। बाकी हिस्से में पिलर तैयार करने का काम करीब 90 फीसदी पूरा कर लिया गया है।

250 किलोमीटर है मौजूदा समय में दूरी

अभी तक दिल्ली से देहरादून जाने में करीब पांच घंटे लगते हैं। मौजूदा वक्त में गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, रुड़की के रास्ते वाहन देहरादून तक जाते हैं, जिसकी लंबाई करीब 250 किलोमीटर है। एक्सप्रेसवे बनने पर यह दूरी घटकर 210 किलोमीटर रह जाएगी। इससे करीब सवा दो घंटे में बिना रुके वाहन देहरादून तक जा सकेंगे

नड्डा 28 मार्च को सांसदों को देंगे रात्रिभोज, केवल ओबीसी सांसदों को ही मिला न्यौता !

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा 28 मार्च की शाम को दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट एनेक्सी में पार्टी के सभी ओबीसी मोर्चा सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। पार्टी के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। पार्टी के एक शीर्ष सूत्र के अनुसार, नड्डा 28 मार्च को दिल्ली में सभी ओबीसी मोर्चा सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह सांसदों के साथ रात्रिभोज बैठक होगी। इन सांसदों को अपने क्षेत्रों में काम करने के टिप्स दिए जाएंगे, खासकर ओबीसी मोर्चा के लिए। सूत्र ने कहा, पार्टी का मुख्य फोकस 2024 लोकसभा चुनाव है। हमें पहले ही समुदाय के लिए एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने और केंद्र सरकार की सभी योजनाओं और नीतियों को ओबीसी लाभार्थियों तक ले जाने के लिए कहा गया है। सूत्र ने यह भी कहा, अगर हम कर्नाटक के बारे में बात करते हैं, तो हम गति में हैं और ओबीसी समुदाय के बीच कई कार्यक्रमों और सभाओं का आयोजन कर रहे हैं। भाजपा ओबीसी मोर्चा पहले से ही चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को जोड़ने में लगा हुआ है। ओबीसी समुदाय के लिए केंद्र सरकार की कई योजनाएं हैं, जिनका पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में फायदा देख रही है।

पार्टी के एक शीर्ष सूत्र के अनुसार, नड्डा 28 मार्च को दिल्ली में सभी ओबीसी मोर्चा सांसदों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। यह सांसदों के साथ रात्रिभोज बैठक होगी। इन सांसदों को अपने क्षेत्रों में काम करने के टिप्स दिए जाएंगे, खासकर ओबीसी मोर्चा के लिए।

सुबह में धूप तो रात में बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ दिनों के दौरान हुई बारिश के बाद से लोगों को गर्मी से काफी राहत है। राष्ट्रीय राजधानी में लोग अभी तपिश का सामना नहीं कर रहे हैं। गुरुवार की सुबह दिल्ली में मौसम सामान्य रहा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया था कि राजधानी दिल्ली में अगले दो दिनों (गुरुवार और शुक्रवार) के बीच हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इसके चलते अधिकतम तापमान आमतौर पर सामान्य से नीचे बना रहेगा। बुधवार को भी दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री नीचे दर्ज किया गया। इस दिन दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह के हल्के बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकली, पिछले दिनों हुई बारिश से मौसम में नमी बनी हुई है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि 23 मार्च की रात और 24 मार्च को पूरे दिन हल्की बारिश हो सकती है। यह भी अनुमान लगाया गया है कि 24 मार्च को गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की हिसाब से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम के

हाल को लेकर जो अनुमान जताया है उसमें बताया गया है कि शनिवार और रविवार को मौसम शुष्क रह सकता है लेकिन लोगों को गर्मी का ऐहसास नहीं होगा। अगले एक सप्ताह बादल छाए रहने के कारण अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है।

अर्धसैनिक बलों से क्यों हो रहा जवानों का मोहभंग? 5 साल में 50 हजार से अधिक ने छोड़ी नौकरी

नई दिल्ली। अर्धसैन्य बल के जवानों की नौकरी छोड़ने की दर ने चिंता बढ़ा दी है। गृह विभाग से संबंधित एक संसदीय समिति की रिपोर्ट से पता चला है कि देश के छह अर्धसैनिक बलों के लगभग 50,155 कर्मियों ने पिछले पांच वर्षों में अपनी नौकरी छोड़ी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह स्तर बलों में काम करने की स्थिति को प्रभावित कर सकता है। इसलिए काम करने की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार के लिए तत्काल उपाय किए जाने चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-2022 में असम राइफल्स और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के मामले में नौकरी छोड़ने की दर में वृद्धि हुई है। बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी के मामले में

स्थिति समान रही है। इस दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के मामलों में पिछले वर्ष के आंकड़ों की तुलना में कमी आई थी। वर्ष 2018 और 2022 के बीच, बल छोड़ने वाले 50,155 कर्मियों में से, सबसे अधिक बीएसएफ (23,553) में थे, इसके बाद सीआरपीएफ (13,640) और सीआईएसएफ (5,876) थे। वर्ष 2021 और 2022 के बीच असम राइफल्स में नौकरी छोड़ने वालों की संख्या 123 से 537 तक और सीआईएसएफ में 966 से बढ़कर 1706 हो गया है, जबकि एसएसबी में 553 से घटकर 121 हो गया है।

समस्या पुरानी, कम नहीं हो रही परेशानी-एक अधिकारी ने कहा, सुरक्षा बलों में यह समस्या पुरानी हो गई है। कई रिपोर्ट और सिफारिशों के बाद भी स्थिति में बहुत बदलाव नहीं आया है। हालांकि, जवानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। लेकिन समय पर प्रोन्नति नहीं मिलने, लंबे समय तक कठोर तैनाती, करियर की चिंता, स्वास्थ्य संबंधी वजह या पारिवारिक कारणों से जवान वीआरएस या इस्तीफा देने जैसा कदम उठाते हैं।

जवानों की संख्या कम होने से दबाव-नाम नहीं छापने की शर्त पर कमांडेंट स्तर के एक अधिकारी ने कहा कि जवानों की कम संख्या की वजह से सौ दिन छुट्टी दे पाना संभव नहीं हो पाता। साथ ही रोटेशन नीति का भी कठोरता से पालन नहीं हो रहा। निचले स्तर पर प्रोन्नति की रफ्तार भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। हालांकि, पहले की तुलना में स्थिति बेहतर हुई है। पहले एक ही पोस्ट पर सालों तक नौकरी के बाद भी प्रमोशन संभव नहीं हो पाता था।

आत्महत्या भी समस्या

वर्ष 2018 से वर्ष 2022 के दौरान 654 जवानों की आत्महत्या का मामला सामने आया। सीआरपीएफ में 230 और बीएसएफ में 174 मौत हुई है। असम राइफल्स में 43 मौत हुई।

छात्रों को तनाव से उबारने के लिए अब तैयार होगा मेंटल हेल्थ फ्रेमवर्क, स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक होगा लागू

नई दिल्ली। छात्रों के तनाव को भगाने के लिए वैसे तो स्कूल से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक में अलग-अलग तरह के कई कार्यक्रम शुरू किए गए है, बावजूद इसके छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं थम नहीं रही है। महीने भर के अंदर आइआइटी मद्रास जैसे शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थान में दो छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं चौंकाने वाली है।

शिक्षा मंत्री प्रधान के निर्देश के बाद तेज हुई पहल

शिक्षा मंत्रालय ने इस दिशा में अपनी पहल तेज की है। जिसमें छात्रों को अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही उन्हें मानसिक रूप से स्वस्थ और मजबूत बनाया जाएगा। जिसे लेकर जल्द ही वह एक मेंटल हेल्थ फ्रेमवर्क जारी करने की तैयारी में है। छात्रों पर दबाव के कारण होने वाली ये घटनाएं इसलिए चिंता का कारण हैं क्योंकि आत्महत्या की कुल घटनाओं में छात्रों की संख्या लगभग आठ फीसद है।

इस मुद्दे पर हुई उच्चस्तरीय बैठक

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी इस मुद्दे पर पिछले दिनों मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की थी, जिसमें इस पर तेजी लाने के निर्देश दिए थे। माना जा रहा है कि यह फ्रेमवर्क महीने भर के अंदर ही जारी कर दिया जाएगा। इस फ्रेमवर्क को लेकर राय

लेने की काम शुरू कर दिया है। इस प्रस्तावित फ्रेमवर्क के दायरे में स्कूल से लेकर उच्च शिक्षण तक रहेंगे।

माता- पिता के साथ शिक्षक व संस्थान भी होंगे शामिल

इसके अलावा इनमें छात्रों से जुड़ने वाले सभी पक्षकारों की जवाबदेही भी तय होगी। इनमें माता- पिता के साथ शिक्षक व संस्थान भी शामिल होंगे। मंत्रालय के जुड़े अधिकारियों के मुताबिक छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर जो चीजें प्रभाव डालती है, वह पढ़ाई के साथ संस्थान का माहौल, वहां प्रशासनिक तंत्र, शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था, शिक्षक का व्यवहार, माता-पिता की ओर से पढ़ाई को लेकर डाले जाने वाले दबाव आदि कारण होते है। ऐसे में फ्रेमवर्क में सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

चलाए जा रहे है मनोदर्पण सहित कई कार्यक्रम

मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक छात्रों को तनाव मुक्त रखने के लिए मनोदर्पण सहित कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है। जिसमें छात्रों को प्रवेश परीक्षा को कई भाषाओं में कराने सहित सभी आइआइटी, एनआइटी और आइआइएम जैसे संस्थानों में मेंटल वेलनेल सेंटर खोलने आदि की पहल शामिल है।

नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट

इसके बाद भी आइआइटी, एनआईटी और आइआइएम जैसे शीर्ष संस्थानों में वर्ष 2019 में आत्महत्या की 16 घटनाएं रिपोर्ट हुई है, जबकि वर्ष 2020 में पांच , 2021 में सात, वर्ष 2022 में 16 और वर्ष 2023 में अब तक आत्महत्या की छह घटनाएं रिपोर्ट हुई है। वहीं नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021 में देश भर में आत्महत्या की 1.64 लाख से ज्यादा घटनाएं रिपोर्ट हुई। इनमें करीब आठ प्रतिशत छात्र थे। यानी इनकी संख्या 13 हजार से ज्यादा है। जो एक चौंकाने वाली स्थिति है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बरसती आफत

वैसे तो आज भी भारत में खेती बारिश के भरोसे ही फलती-फूलती है। मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है। लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है। किसान अनाज खलिहानों से निकालकर मंडी ले जाने की तैयारी में है। इसी तरह सरसों की फसल भी पक चुकी है। पिछले दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बेमौसमी बरसात से गेहूं-सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ। जहां सरसों में बीज तैयार हो चुका था, ओलावृष्टि से वो बिखरा है। दूसरी ओर जो सरसों मंडियों तक पहुंची थी, वह बारिश से भीग गयी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग से जो तापमान वृद्धि हुई है, उससे मौसम के मिजाज में तीव्र परिवर्तन आया है। कुल मिलाकर हमारी खाद्य श्रृंखला पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। बारिश की आवृत्ति, उसके समय और गुणवत्ता में बदलाव आया है। बारिश तेज होती है और कम समय के लिये होती है। पिछले दिनों अचानक तापमान में समय से पहले हुई वृद्धि को गेहूं की फसल के लिये नुकसानदायक माना जा रहा था। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था कि समय से पहले तापमान वृद्धि से भरी-पूरी फसल के बावजूद गेहूं का दाना छोटा रह गया था। जिससे उत्पादकता में कमी आई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में जब बारिश हुई तो कयास लगाये जा रहे थे कि तापमान में कमी आना गेहूं की फसल के लिये लाभदायक रहेगा। लेकिन तेज बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। किसान व हरियाणा में नेता विपक्ष मांग कर रहे हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन करके तुरंत किसानों को राहत राशि दी जाये। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। पिछले दिनों देश के विभिन्न भागों में किसान आलू-प्याज की भरपूर फसल होने के बावजूद कीमतों में आयी गिरावट का त्रास झेल रहे थे। कहीं सड़कों पर आलू बिखेरने व आलू की फसल पर ट्रेक्टर चलाने की खबरें आ रही थीं तो नासिक में प्याज उत्पादकों के आंदोलन की सुगबुगाहट थी। वहीं किसान संगठन भी अपनी पिछली मांगों पर केंद्र का सकारात्मक प्रतिसाद न मिलने के बाद दिल्ली में फिर एकजुट हुए हैं। बहरहाल, बारिश के चलते फसलों को होने वाले नुकसान ने किसानों की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। मौसम विज्ञानी पश्चिमी विक्षोभ के चलते कुछ और दिन बारिश की भविष्यवाणी कर रहे हैं। ऐसे में जहां किसानों को फौरी राहत दिये जाने की जरूरत है, वहीं केंद्र व राज्य सरकारों को फसलों हेतु नये शोध-अनुसंधान को बढ़ावा देने की जरूरत है, जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से होने वाले नुकसान को रोकने में किसानों की मदद करें। निस्संदेह, लगातार मौसम की बेरुखी से किसान के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही हैं। दूसरे, मंडियों में कृषि उत्पादों के वाजिब दाम न मिल पाने से किसान अपनी लागत भी हासिल नहीं कर पा रहा है। यह संकट किसानों की आने वाली पीढ़ी को खेती से विमुख करने वाला है। बहुत संभव है कि एक सौ चालीस करोड़ की आबादी वाले देश में आने वाले दशकों में खाद्यान्न संकट पैदा हो जाये।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

राजस्थान का प्रसिद्ध लोकोत्सव है गणगौर

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

- 24 अप्रैल पर विशेष

राजस्थान का नाम सुनते ही मन खुशी से झूम उठता है। राजस्थान के पर्व त्यौहार अपने आप में अलग ही महत्व रखतें हैं। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने आप में एक विरासत को संजोए हुए हैं। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो अनुचित नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। राजस्थानी शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सदा सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी पौराणिक एवं वैदिक देवी देवताओं के मन्दिर हैं। उनके उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। काल प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर शब्द भगवान शिव और पार्वती के नाम से बना है। गण यानि भगवान शिव और गौर यानि पार्वती। इसलिए शिव-पार्वती की पूजा के रूप में इस त्यौहार को मनाया जाता है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं:-

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं-

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,
बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,
म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं-

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो,
ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं-

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दु:खी हो गाती हैं-

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ॠतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''। हमें आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

नोएडा में झुग्गियों तोड़ने के लिए होगी कार्रवाई

(लेखक- विनोद तकियावाला)

महानगर में आये दिन भारत के विभिन्न प्रान्तो से लोग अपनी जीवकोपार्जन हेतु आते है।इनमें अधिकतर लोग अपनी नौकरी-पेशा के साथ दिल्ली/एन सी आर में अपने सर पे एक छत का सपना देखता है। खुशनसीब होते है वे लोग जो यहाँ पर आप घर होने का सपना पूरा कर पाता है,लेकिन कुछ ऐसे लोग भी है खासकर मजदुर वर्ग के वे लोग जो अपनी जरूरतो को पुरा करने के लिए देहाड़ी,रेहड़ी-पटरी,घरेलू सेवा में अपनी सेवा देते है। जिन्हें रोटी के लिए तो पारिश्रमिक रूप मे एक रकम मिल जाती है।जिसे वेअपनी दैनिक जरूरतों की पुर्ति कर लेता है । लेकिन उनका अपना घर बनना का सपना पुरा नही हो पाता है।कुछ तो अपने लिए किराये पर कमरा ले कर रहता है कुछ तो अपने सर पर छत नही होने के कारण इस महानगर में रात गुजराने व सर छुपाने के लिए कुछ खाली जगह पर एक अस्थायी आशियाना बना लेता है।जिसे कई बार स्थानीय निवासियो,पुलिश व प्रसासन का कोपभाजन बनना पड़ता है।ऐसे ही अस्थाई आशियाना व अवैध निंमाण को दिल्लीवासी की भाषा में झुग्गी का नाम से जानाजाता है। इसी श्रंख्ला में दिल्ली के सटे एन सी आर के नोएडा में नोएडा प्राधिकरण के अरबों रुपए की जमीन परअवैध रूप से बने झुग्गियों को तोड़ने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है।सुत्रो के मुताबिक विगत दिनों इस संदर्भ में नोएडा अथॉरिटी की सीईओ रितु माहेश्वरी ने प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक बैठक की है।इस बैठक में सर्किल-1और 6 .के अधिकारी के अलावा एसीईओ स्तर केअधिकारी शामिल हुए।सीईओ ने निर्देश दिया कि जिन झुग्गी वालों को मकान का आवंटन हो चुका है और जिनकी झुग्गी सील हो चुकी है, उन्हे 10 अप्रैल तक ध्वस्त कर उस जमीन पर कब्जा लिया जाए। सर्वविदित रहे कि इसके पूर्व सन 2016 से पहले भी यहां अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी एनफोर्समेंट विंग की थी लेकिन अभी तक अजाम तक नही पहुँच गया है।क्योकि इन झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले पर कई लोगो का हाथ है।चाहे वह स्थानीय राजनीति दल के नेता हो या कोई नामी गिरामी आदमी हो। यहाँ पर आप को सभी राजनीतिक दल के समथर्क व झंडे दोनो मिल जाएगा।नोएडा का निंमाण एक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया था। देखते देखते यहाँ पर बडी संख्या में मजदुर व मजबुर के एक वर्ग ने अपना बसेरा बनाया।परिणाम स्वरूप इनमेंऔद्योगिक सेक्टर-4,5,8,9और 10 में अथॉरिटी अपनी ही जमीन नहीं बचा पा रहा है।जब तक अथॉरिटी के अफसरों को कुछ समझते पाते तब तक यहाँ पर 20 हजार से ज्यादा झुग्गी-झोपड़ी बनकर तैयार हो चुकी थी।प्रसासन अपनी नींद से एक बार फिर जगी तथा इन झुग्गी वासियों को दूसरे स्थान पर बसाकर अपनी जमीन को खाली कराए के लिए उत्सुक है।इसी को ध्यान मे रखते हुए नोएडा अथॉरिटी ने एक पुर्नस्थापन योजना निकाली,जिसके तहत इन झुग्गी वासियों को मकान आवंटित किए. लैकिन झुग्गीवासी यहां से जाने को तैयार नहीं हैं।इन चारों सेक्टरों में महज कुछ झुग्गी वाले ही यहां से अपने मकान में शिफ्ट हुए।कुछ ने तो फ्लैट भी ले लिया और झुग्गी भी नहीं खाली कर रहेह्वऐसे लोगो को यहाँ से खाली कराकर उनकी झुग्गी को तोड़ने की बात कही गई है।इसकी पटकथा की नोएडा अथॉरिटी की तेज तरार सीईओ रितु माहेश्वरी ने लिखी तथा इसके लिए एक बैठक सर्किल-1 और 6 के अधिकारी के अलावा एसीईओ स्तर के अधिकारी शामिल हुए. सीईओ ने निर्देश दिया कि जिन झुग्गी वालों को मकान का आवंटन हो चुका है और जिनकी झुग्गी सील हो चुकी है,10 अप्रैल तक उनको ध्वस्त कर जमीन पर कब्जा लिया जाए।जो झुग्गी वाले आवंटन के बाद भी मकान पर कब्जा नहीं ले रहे और झुग्गी खाली नहीं कर रहे, ऐसे आवंटियों का आवंटन एक सप्ताह में निरस्त किया जाए।यही नहीं जिन्होंने कब्जा लेने के बाद किस्तों का भुगतान नहीं जमा किया है,उनको भीनोटिस जारी किया जाए ।वहीं सेक्टर-122 में बने इन मकानों में टूट फूट की मरम्मत के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आप की जानकारी के लिए बता दे कि इसके पूर्व सन2016 से पहले यहां अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी एनफोर्समेंट विंग की थी।जिसके असफल रहने पर 2016 में इस विंग को भंग करी दिया गया था. साथ ही इसकी जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण ने सर्किल को दे दी थी, लेकिन अब भी कुछ ही झुग्गियों को हटाया जा सका है।जिसका ब्योरा निम्न प्रकार है।सेक्टर-4 में 140 झुग्गी वालों को फ्लैट दिए गए करीब 301.05 वर्गमीटर जमीन खाली कराई गई,27 झुग्गी तोड़ी गई।सेक्टर-5 में 19 झुग्गी झोपड़ी वालों में फ्लैट दिए गए 55.75 वर्गमीटर जमीन खाली कराई,5 झुग्गी ध्वस्त की गई।सेक्टर-8 में 760 झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्लैट दिए गए।आपको बता दे कि प्रसासन द्वारा 32 झग्गी को ध्वस्त कर356.80 वर्गमीटर जमीन खाली कराई गई है।

सेक्टर-9 में 471 झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्लैट दिए गए,256.45 वर्गमीटर जमीन खाली कराई गई, 23 झुग्गी ध्वस्त की गई।सेक्टर-10 में 179 झुग्गी झोपड़ी वालों को फ्लैट दिए गए,390.25 वर्गमीटी जमीन खाली कराई गई,35 झुग्गी तोड़ी गई,लेकिनअभी सेक्टर-5 में 534 सेक्टर-8 में5586सेक्टर-9में 3941सेक्टर-10 में 1015 झुग्गी है।जहाँ पर अवैध रूप से झुग्गियाँ है। इस संदर्भ में स्थानीय निवासियों व उद्यमीयो का मानना है कि ये झुग्गी वाले यहा से कई जाने वाले नही है।यहाँ पर इन्हें मुफ्त की विजली पानी व अन्य सुविधाए उपलब्ध कराई जाती है।इसके उपर नोएडा के कई हस्तियों का हाथ है।ये झुग्गी वाले राजनीतिक दलों का वोटबैक है। अकेले नोएडा प्राधिकरण इनका कुछ नही बिगाड़ सकता है।वह भी तक जब सिरआने 2024 का आम लोक सभा का चुनाव है।ऐसे में यहाँ का कोई प्रसासन या प्रशासक् इन झुग्गी वालों का क्या कर पायेगा।खैर मुझे क्या।फिलहाल आप सभी से यह कहते विदा लेते है कि

ना ही काहुँ से दोस्ती,
ना ही काहुँ से बैर।
खबरीलाल तो माँगे,
सबकी खैर।

विचार मंथन

राहुल की माफी के मकड़जाल में फंसी सरकार

(लेखक-सनत जैन)

लंदन में राहुल गांधी ने यूनिवर्सिटी में जो भाषण दिया था ! उस को आधार बनाकर भाजपा ने राहुल गांधी के ऊपर भारत का अपमान करने और दूसरे देशों को भारत में हस्तक्षेप करने के लिए आमंत्रण देने का आरोप लगाया ! सत्ता पक्ष ने राहुल से माफी की मांग की ! राहुल गांधी ने लंदन यात्रा के दौरान लोकतंत्र को लेकर जो बात की थी ! उसमें कहीं पर भी यह बात नहीं थी! जो भाजपा ने प्रचारित की, राहुल ने स्पष्ट रूप से अपने जवाब में कहा था कि भारत लोकतांत्रिक मामले को स्वयं निपटने में सक्षम है! भाजपा ने राहुल गांधी के ऊपर माफी मांगने को लेकर जो दबाव बनाया था ! वह अब भाजपा के ही गले में पड़ता जा रहा है। राहुल गांधी कह रहे हैं, कि उनके ऊपर जो आरोप सदन के अंदर लगाए गए हैं। उसका वह जवाब देना चाहते हैं। इसको लेकर उन्होंने 2 पत्र लोकसभा अध्यक्ष को भी लिखे हैं। सदन के नियमानुसार उन पर आरोप है तो उन्हें बोलने का तो मौका नियमानुसार देना ही पड़ेगा। वह लंदन के अपने सभी कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग लोकसभा के पटल पर रख सकते हैं। उन पर जो आरोप लगाए गये हैं। वह सही है या नहीं जिन मंत्रियों और भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी से माफी मांगने को लेकर जो आरोप सदन के अंदर लगाये हैं। उन्हें भी राहुल गांधी के भाषण को लोकसभा के पटल में रखना चाहिए था, जो उन्होंने नहीं रखा है। राहुल गांधी इसकी मांग भी कर सकते हैं। सरकार और भाजपा राहुल गांधी का मनोबल तोड़ना चाहती थी। लंदन में दिए गए बयान का जिस तरीके से तोड़ मोड़कर भाजपा ने प्रस्तुत किया था। यह भाजपा की पुरानी रणनीति का ही एक हिस्सा था जिसमें वह किसी भी बात को अपने तरीके से परिभाषित करके, गोदी मीडिया की सहायता से राहुल गांधी और कांग्रेस को पप्पू और कांग्रेस को नकारा बताने में उपयोग करते रहे हैं। पहली बार सदन के अंदर यह मामला भाजपा के ऊपर उल्टा पड़ता हुआ नजर आ रहा है। सरकार खुद ही सदन को नहीं चलने दे रही है। सत्ता पक्ष खुद ही हंगामा कर रहा है। विपक्षी एकता को तोड़ने के लिए सत्तापक्ष ने वह सारे उपक्रम कर लिए, लेकिन इसमें कोई सफलता सत्ता पक्ष को नहीं मिल पा रही है। उल्टे संबित पात्रा द्वारा राहुल गांधी को मीर जाफर की संज्ञा दिए जाने के बाद, अब कांग्रेस भी उसी तरीके से आक्रमक हो गई है। जिस तरह से अभी तक भाजपा आक्रमक होती आई है। संबित पात्रा के ऊपर कांग्रेस कानूनी कार्रवाई करने जा रही है। वहीं सोशल और मोदी मीडिया में भी इस पर लगातार चर्चा हो रही है। इस सारे वाद-विवाद में लगभग 2 सप्ताह संसद के दोनों सदनों का कामकाज नहीं हुआ। इसमें सबसे बड़ा नुकसान आसंदी की प्रतिष्ठा पर पड़ा है। आसंदी सदन का मुखिया के हेसियत से प्रतिनिधित्व करती है। सरकार और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाने की जिम्मेदारी और नियमों के अनुसार सदन को चलाने की जिम्मेदारी आसंदी की होती है।

पहली बार ऐसा लग रहा है, कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का विपक्ष के साथ संवाद ही नहीं है। वह भी सत्ता पक्ष की तरह एक पार्टी बन गई है। आसंदी को जिस तरह से इस मामले में पक्ष और विपक्ष को सदन को चलाने के लिए तैयार करना चाहिए था। वह नहीं किया गया। संसदीय कार्य मंत्री की जिम्मेदारी होती है, कि वह विपक्ष के साथ लगातार संवाद बनाए रखे। सदन के अंदर जो व्यवधान उत्पन्न होते हैं। उनमें चर्चा करने के बाद कोई बीच का रास्ता निकालने में समन्वय बनाने की भूमिका संसदीय कार्य मंत्री की होती है। जो पिछले कई वर्षों से सदन में देखने को नहीं मिल रही है । पहली बार भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की सरकार अपने ही बुने हुए मकड़जाल में बुरी तरह फंसकर झटपटा रही है। केंद्र सरकार के मंत्रियों और भाजपा नेताओं का अहंकार भी मुसीबत को बढ़ा रहा हैं। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट को निशाने पर लिया है। सरकार ने फेमा कानून के अंतर्गत जजों और सेना के अधिकारियों को शामिल किया है। जिस तरह से न्यायपालिका और सेना पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उससे सरकार और भाजपा की मुसीबतें आने वाले दिनों में और भी बढ़ना तय है । भारत का एक लंबा लोकतांत्रिक व्यवस्था का इतिहास और परंपराएं हैं। इसे आसानी से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

जनता के बीच भ्झी सरकार और भाजपा को लेकर जो विश्वास था।वह अब अविश्वास के रुप में दिखने लगा है। यह चिंतनीय स्थिति है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईएफसी एलएमएम में 600 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । वैश्विक विकास संस्थान आईएफसी एक नई लास्ट-माइल मोबिलिटी (एलएमएम) कंपनी में 600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो महिंद्रा एंड महिंद्रा की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होगी। आईएफसी का देश में किसी ईवी निर्माता में पहला और वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स में पहला निवेश, 6,020 करोड़ रुपए तक के मूल्यांकन पर अनिवार्य परिवर्तनीय उपकरणों के रूप में होगा। 600 करोड़ रुपए के निवेश के परिणामस्वरूप न्यूको में आईएफसी के लिए 9.97 प्रतिशत से 13.64 प्रतिशत के बीच स्वामित्व होगा। न्यूको में लास्ट माइल मोबिलिटी डिवीजन होगा, जिसमें थ्री व्हीलर (अल्फा, ट्रिंग्रो जोर) और फोर-व्हीलर एससीवी (जीतो) शामिल हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा के एमडी और सीईओ अनीश शाह ने कहा` कि बड़े पैमाने पर लास्ट माइल मोबिलिटी व्यवसाय के विद्युतीकरण के साथ, हम 2040 तक सकारात्मक ग्रह बनने की अपनी प्रतिबद्धता में एक कदम आगे बढ़ेंगे। यह सूक्ष्म और महिला उद्यमियों के लिए विकास का एक जबरदस्त अवसर भी प्रस्तुत करेगा। भारत ने 2030 तक अपने उत्सर्जन प्रोफाइल को 45 प्रतिशत तक कम करने के लिए प्रतिबद्ध किया है और साथ ही दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 80 प्रतिशत ईवी प्रवेश, वाणिज्यिक वाहनों के लिए 70 प्रतिशत और निजी कारों के लिए 30 प्रतिशत हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

यूक्रेन को 15.6 अरब डॉलर का कर्ज देगा आईएमएफ

वाशिंगटन । आईएमएफ ने कहा कि उसका कर्ज सहायता कार्यक्रम चार साल तक चलेगा जिसमें शुरुआती 18 महीनों तक यूक्रेन के व्यापक बजट घाटे को पाटने पर जोर रहेगा। एक साल से अधिक समय से रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन को वित्तीय जरूरतें पूरा करने के लिए 15.6 अरब डॉलर का कर्ज देने पर अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सहमति जताई है। यूक्रेन के वित्त मंत्रालय ने आईएमएफ के साथ ऋण सहायता कार्यक्रम पर सहमति बनने की जानकारी देते हुए कहा कि इससे यूक्रेन को अपनी वृहद वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ युद्ध जीतने के बाद पुनर्निर्माण जरूरतें पूरा करने में मदद मिलेगी। आईएमएफ ने कहा कि उसका कर्ज सहायता कार्यक्रम चार साल तक चलेगा, जिसमें शुरुआती 18 महीनों तक यूक्रेन के व्यापक बजट घाटे को पाटने पर जोर रहेगा।

टाटा मोटर्स करने जा रही है कई नई कारें लॉन्च

-धांसू अवतार में आ रही इंडिया की नंबर 1 एसयूवी

नईदिल्ली । घरेलू बाजार में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स कई नई कारें लॉन्च करने जा रही है। हाल ही में इसके नए मॉडल को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। नए मॉडलों में से सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सॉन का फेसलिफ्ट वर्जन होगा। इसे बहुत जल्द इंडियन मार्केट में उतारा जा सकता है। नई टाटा नेक्सॉन का डिजाइन बिल्कुल नया होगा साथ ही इसके अंदर भी ढेर सारे अपडेट फीचर्स देखने को मिलेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई नेक्सॉन में पहली चीज जो तुरंत अलग दिखाई देती है वह है नया डिजाइन। ऐसा लगता है कि 2024 नेक्सॉन ऑटो एक्सपो 2023 में प्रदर्शित किए गए कर्व कॉन्सेप्ट से काफी प्रेरित होगी। स्पाई शॉट्स से अलॉय व्हील्स के लिए एक नई डिजाइन का पता चलता है। रूफ लाइन में कूप जैसा डिज़ाइन है, इसलिए इसमें स्लोपिंग रूफ डिजाइन है और रियर ग्लास स्लोप काफी नीचे है।नेक्सॉन में पीछे की तरफ टेल लैंप का एक नया सेट भी है। इसका डिजाइन काफी स्लीक होगा। इसके अलावा ये हैरियर और सफारी में मिलने वाली टेल लैंप की तरह दिखते हैं। बंपर को भी नया रूप दिया जाएगा। पिछले स्पाई शॉट्स से पता चला है कि 2024 नेक्सॉन एक नए फ्रंट फेसिया के साथ आएगी। इसमें स्प्लिट हेडलैंप सेटअप होगा, जो इसके डिजाइन को टाटा की बाकी एसयूवी से जोड़ेगा। ऐसी संभावना है कि 2024 नेक्सॉन के फ्रंट और रियर में एक लाइटबार हो भी होगा।न्यू-जनरेशन नेक्सॉन के इंटीरियर को भी नए सिरे से तैयार किया जाएगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। सप्ताहित एक्सपायरी के दिन बाजार में उथल-पुथल रही। आज बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में बिकवाली हावी रही जबकि एफएमसीजी, फार्मा और मेटल इंडेक्स बढ़त पर रहे। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 289.31 अंक करीब 0.50 फीसदी नीचे आकर 57,925.28 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 75.00 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी नीचे आकर 17,076.90 के स्तर पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एसबीआई, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज , कोटक महिन्द्र बैंक और अडानी इंटरप्राइजेस निफ्टी के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे जबकि हिंडालको इंडस्ट्रीज , नेस्ले इंडिया, भारती एयरटेल , मारुति सुजुकी और जेएसडब्ल्यू निफ्टी के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स 289.05 अंक की गिरावट के साथ 57,925.54 के स्तर पर

रहा, वहीं निफ्टी 77 अंक की गिरावट के साथ 17,074.55 के स्तर पर रहा। सेंसेक्स के 30 में से सिर्फ 11 कंपनियों के शेयर ही हरे निशान पर हैं। प्री-ओपनिंग में आज बाजार में कमजोरी दिखी। सुबह सेंसेक्स 168.85 अंक की गिरावट के साथ 58,045.74 के स्तर पर रहा। वहीं निफ्टी 29.80 अंक की गिरावट के साथ 17,122.10 के स्तर पर रहा। फेडरल रिजर्व के कमेंट और जेलेट येलेन के बयान के बाद अमेरिकी बाजारों में तेज गिरावट देखी जा रही है। डाओ जोंस 500 अंक से ज्यादा लुढ़का। एशियाई बाजारों पर भी दबाव देखने को मिल रहा है।

ब्रिटेन में महंगाई ने फिर पकड़ी रफ्तार

लंदन । ब्रिटेन का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) फरवरी 2023 में अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 10.4 प्रतिशत हो गया, जो कि जनवरी में 10.1 प्रतिशत था। यह जानकारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) ने दी। इससे पहले रॉयटर्स के एक सर्वेक्षण में अर्थशास्त्रियों ने मुद्रास्फीति 9.9 रहने का अनुमान लगाया था लेकिन यह उससे ज्यादा 10.4 प्रतिशत रहा और इससे मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट की संभावना भी कम हो गई। ब्रिटेन की मुद्रास्फीति अक्टूबर 2022 में 11 वर्षों के उच्च स्तर 11.1 प्रतिशत पर पंहुचने के बाद तीन महीने से लगातार गिर रही थी। सीपीआई के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए ओएनएस के मुख्य अर्थशास्त्री ग्रांट फिट्जनर ने कहा कि यह मुद्रास्फीति मुख्य रूप से जनवरी में छूट के बाद पब और रेस्तरां में शराब की बढ़ती कीमतों से प्रेरित रही है। उन्होंने कहा कि खाद्य और गैर-मादक पेय पदार्थों की कीमतें 45 वर्षों के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं क्योंकि कुछ सलाद और सब्जियों की कीमतें बहुत बढ़ी। ऊर्जा की उच्च लागत और यूरोप के कुछ हिस्सों में खराब मौसम इस कमी और आपूर्ति में कमी का कारण बना।

आईओसी पारादीप में पेट्रोरसायन परिसर बनाने 61,077 करोड़ निवेश करेगी

मुंबई । इंडियन आयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पारादीप में पेट्रोरसायन परिसर बनाने के प्रस्ताव पर पहले चरण की मंजूरी दे दी है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी आईओसी ओडिशा के पारादीप में एक पेट्रोरसायन परिसर बनाने पर 61,077 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह किसी एक स्थान पर कंपनी का सबसे बड़ा निवेश होगा। आईओसी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पारादीप में 61,077 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से पेट्रोरसायन परिसर बनाने के प्रस्ताव पर पहले चरण की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि पारादीप पेट्रोरसायन परिसर की स्थापना की परियोजना किसी एक स्थान पर उसका सबसे बड़ा निवेश होगा। हालांकि, कंपनी ने इस परियोजना के पूरा होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। यह परियोजना आईओसी की कायाकल्प योजना का हिस्सा है। इसके तहत कंपनी अपनी पेट्रोरसायन गहनता बढ़ाकर कच्चे तेल की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से खुद को सुरक्षित करना चाहती है। पेट्रोलियम गहनता का आशय कच्चे तेल के उस प्रतिशत से है जिसे शोधित कर सीधे रसायन में बदल दिया जाता है। आमतौर पर कच्चे तेल का शोधन कर पेट्रोल, डीजल एवं अन्य ईंधन बनाए जाते हैं लेकिन कच्चे तेल को सीधे पेट्रोरसायन में भी तब्दील किया जा सकता है जिनका इस्तेमाल प्लास्टिक एवं अन्य सामग्रियां बनाने में होता है। फिलहाल इंडियन ऑयल की पेट्रोरसायन गहनता पांच-छह प्रतिशत ही है लेकिन कंपनी इसे 10-12 प्रतिशत तक पहुंचाने की मंशा रखती है।

मुकेश अंबानी दुनिया के 9वें सबसे अमीर, अडाणी 23वे नंबर पर

- अडाणी की अपनी संपत्ति 60 प्रतिशत से भी अधिक कम हो गई

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी 20 प्रतिशत या 21 अरब डॉलर की संपत्ति में गिरावट के बावजूद 82 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के शीर्ष 10 सबसे धनी व्यक्तियों में बने हुए हैं। 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में यह जानकारी दी गई है। लगातार तीसरे वर्ष अंबानी ने सबसे धनी एशियाई खिताब बरकरार रखा। 35 प्रतिशत की कमी या 28 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 53 अरब डॉलर तक, अडाणी ग्रुप के गौतम अडाणी और परिवार, पिछले साल की दूसरी रैंक से दुनिया के सबसे धनी लोगों में 23वें स्थान पर आ गए। अडाणी ने 2023 में दूसरा सबसे अमीर एशियाई खिताब भी खो दिया। यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की जनवरी में एक रिपोर्ट के कारण अडाणी को अपनी संपत्ति 60 प्रतिशत से अधिक कम हो गई। पिछले साल, यह कहा गया था कि अडाणी 2022 में प्रतिदिन 1,600 करोड़ रुपए जोड़कर सूची में सबसे ऊपर हैं। दुनिया के शीर्ष 50 सबसे अमीर लोगों में शामिल अन्य भारतीय अरबपतियों में साइरस पूनावाला और शिव नादर और परिवार हैं। दिलचस्प बात यह है कि पूनावाला को छोड़कर, जिनकी संपत्ति में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वैश्विक शीर्ष 100 सबसे धनी लोगों में अन्य सभी भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी गई। 2022 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के बिल्कुल विपरीत, जब धन की कमी की बात आती है तो भारत लीग तालिका में शीर्ष पर है। जब चीन और अमेरिका जैसे देशों में क्रमश- 178 और 123 अरबपति थे, जिन्होंने 1 अरब डॉलर से अधिक खो दिया, भारत में 41 अरबपति हैं, जिन्होंने 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में एक अरब डॉलर से अधिक की राशि खो दी।अरबपतियों की संख्या के संदर्भ में जिन्होंने पिछले वर्ष में 1 अरब डॉलर या उससे अधिक जोड़ा है, भारत सूची में छठे स्थान पर है। भारत ने 16 अरबपतियों को जोड़ा और तीसरे स्थान

पर कब्जा कर लिया। वहीं इटली ने इस साल की सूची में 9 अरबपतियों को जोड़ा। भारत से सबसे अमीर नए प्रवेशकर्ता, रेखा राकेश झुनझुनवाला और परिवार, 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में शीर्ष 16 नए भारतीय प्रवेशकों की सूची में सबसे ऊपर हैं। पिछले 5 वर्षों में, 2023 एम3एम हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में भारतीय अरबपतियों ने हांगकांग के सकल घरेलू उत्पाद के बराबर अपनी संचयी संपत्ति में लगभग 360 अरब जोड़े।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

भोपाल ।

मध्य प्रदेश के सराफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। एक वेबसाइट के अनुसार सोने की कीमत में मध्य प्रदेश के सराफा बाजार में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ोत्तरी जारी थी। वहीं गुरुवार को सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि जो 22 कैरेट सोना बुधवार को 55,930 प्रति 10 ग्राम बिका, वो आज 55,130 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से बिकेगा। वहीं 24 कैरेट सोना 58,730 रुपए प्रति 10 ग्राम बिका, वो आज 57890 रुपए प्रति 10 ग्राम बिकेगा। चांदी की कीमत में भी कमी देखने को मिला है। चांदी कल 74,700 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही थी, वो आज 74,000 रुपए प्रति किलोग्राम बिकेगी। भारत में सोने और चांदी की कीमत वायदा बाजार की ट्रेडिंग के हिसाब से तय होती है। जिस दिन ट्रेडिंग होती है उसकी आखिरी क्लोजिंग को

अगले दिन के लिए बाजार भाव मान लिया जाता है।

हालांकि ये सेंट्रल प्राइज होता है। इसमें कुछ और चार्च के साथ कीमत अलग-अलग शहरों में तय होती है और फिर उसको फुटकर विक्रेता गहनों में मेकिंग चार्ज लगाकर बेचता है। 24 कैरेट गोल्ड 99.9 प्रतिशत शुद्ध होता है और 22 कैरेट लगभग 91 प्रतिशत शुद्ध होता है। 22 कैरेट गोल्ड में 9 फीसदी अन्य धातु जैसे तांबा, चांदी, जिंक मिलाकर जेवर तैयार किया जाता है. जबकि 24 कैरेट सोना सबसे शुद्ध होने के कारण काफी लचीला और कमजोर होता है। इस कारण इससे गहने नहीं बनाए जा सकते हैं।

अडानी पावर को एएसएम के दायरे में रखा जाएगा

नई दिल्ली । शेयर बाजार एनएसई और बीएसई ने कहा कि अडाणी पॉवर को गुरुवार 23 मार्च से अल्पकालिक अतिरिक्त निगरानी कदम (एएसएम) के दायरे में रखा जाएगा। शेयर बाजारों के परिपत्रों में यह जानकारी दी गई। इससे पहले, एनएसई और बीएसई ने अडाणी समूह की दो कंपनियों अडाणी ग्रीन एनर्जी और एनडीटीवी के शेयरों को सोमवार से दीर्घकालिक अतिरिक्त निगरानी कदम (एएसएम) ढांचा के पहले चरण से बाहर रखने का निर्णय लिया था। दोनों शेयर बाजारों ने अडाणी पॉवर के साथ अडाणी एंटरप्राइजेज और अडाणी विल्मर को आठ मार्च को अल्पकालिक एएसएम के तहत रखा था। हालांकि 17 मार्च को तीनों को निगरानी के दायरे से बाहर कर दिया गया था। बुधवार को अडाणी समूह की दस सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ लाभ के साथ बंद हुए थे।

यूएस फेड ने 0.25 फीसदी बढ़ाई ब्याज दर, एक और बढ़ोतरी का दिया संकेत

न्यूयार्क ।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दर में 0. 25 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की। अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक सहित कुछ बैंकों के दिवालिया होने के बाद बाजार को पहले ही अनुमान था कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर बढ़ाने की रफ्तार अब कम करेगा। बाजार मानकर चल रहा था कि फेडरल रिज़र्व की ओपन मार्केट कमेटी की इस बार चौथाई प्रतिशत की ही वृद्धि करेगी। बैंकों में संकट उत्पन्न होने से पहले अनुमान था कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर में इस बार भी 0.5 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है। ताजा वृद्धि के बाद अमेरिका में नीतिगत बस्तर का दायरा 4.75 प्रतिशत से 5.00 प्रतिशत हो गया है। वाणिज्यिक बैंकों को लगता है कि इस वर्ष के अंत तक अमेरिका में नीतिगत ब्याज दर अब 5.1 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने से अमेरिकी बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का बाजार भाव काफी घट गया है जिससे उनमें निवेश करने वाले बैंकों को बड़ा घाटा उठाना पढ़ रहा है। बहुत से छोटे बैंकों के डूबने का खतरा बन गया है। फेडरल रिजर्व के बयान में कहा गया है नीतिगत ब्याज दर में और वृद्धि की जरूरत पड़ सकती है। बयान में कहा गया है कि फेडरल रिजर्व की खुले बाजार कि समिति आगे आने वाले आंकड़ों को देखेगी और उनका आकलन करेगी कि नीतिगत फैसलों का क्या प्रभाव पड़ रहा है। समिति को लगता है कि मुद्रास्फीति पर पर्याप्त अंकुश के लिए नीति को कुछ और कड़ा करना पड़ सकता है।

हिंडनबर्ग करने वाले हैं एक और बड़ा खुलासा!

-अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग ने एक ट्वीट किया है- न्यू रिपोर्ट सून अनएदर बिग वन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के एक ट्वीट से दिग्गज कारोबारियों की रातों की नींद उड़ गई है। दुनियाभर की कंपनियों की चिंता बढ़ गई है। दरअसल अमेरिकी रिसर्च फर्म ने जब भी किसी कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट निकाली है उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। शेयर बाजार में उस कंपनी के शेयर औंधे मुंह गिरे हैं। बीते 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग ने अडानी ग्रुप के खिलाफ रिपोर्ट पेश की थी। इसमें अडानी ग्रुप पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इस रिपोर्ट के आने से पहले अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर बने हुए थे। वहीं गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर बने हुए थे। इस रिपोर्ट के आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई। एक महीने से ज्यादा समय तक अडानी ग्रुप के स्टॉक्स में लगातार लोअर सर्किट लगता रहा। ग्रुप के शेयर भारी गिरावट के साथ ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गए। वहीं गौतम अडानी दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में टॉप 30 से भी बाहर हो गए थे।

HINDENBURG RESEARCH

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग ने 23 मार्च 2023 को रात 1 बजकर 33 मिनट पर ट्वीट किया है। इसमें लिखा है कि न्यू रिपोर्ट सून अनएदर बिग वन। इस ट्वीट को कुछ ही देर में एक मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इसे 11 हजार लोगों ने लाइक किया है और इस पर तीन हजार से ज्यादा रीट्विट हो चुके हैं। अडानी पहली कंपनी नहीं है, जिसे लेकर हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट निकाली है। इससे पहले भी वो कई बड़ी कंपनियों के खिलाफ ऐसी रिपोर्ट जारी कर चुका है। हिंडनबर्ग ने ` निकोला, एससीवर्क, जौ नियस ब्रांड, उसने विंस फाइनेंस, जीनियस ब्रांड्स, एचएफ फूड, ब्लूम एनर्जी, ट्विटर इंक जैसी कंपनियों के खिलाफ रिपोर्ट निकाली है। साल 2020 में करीब 16 रिपोर्ट जारी किए थे। इन रिपोर्ट के कारण कंपनियों के शेयरों में औसत तौर पर 15 फीसदी की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग पहले कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट निकालती है फिर जब कंपनी के शेयर गिर जाते हैं तो वो उसे खरीदकर ये प्रॉफिट कमाती है।

रेलवे ने एसी कोच का किराया घटाया

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने एसी कोच का किराया घटा दिया है। साथ ही सभी एसी कोच में चादर-तकिया भी मिलते रहेंगे। रेलवे ने पुराने सिस्टम को लागू करते हुए एसी 3-टियर इकोनॉमी क्लास का किराया कम कर दिया है। यात्रियों को अब एसी-3 टियर की तुलना में एसी 3-टियर इकोनॉमी क्लास के लिए 60 से 70 रुपए कम चुकाने होंगे। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे ने सितंबर 2021 में ट्रेनों में एसी-3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत की थी। इसका मकसद यात्रियों को कम कीमत पर एसी कोच में सफर कराना था। हालांकि, एक साल बाद नवंबर, 2022 में एसी 3-टियर इकोनॉमी और एसी 3-टियर को मर्ज कर दिया गया और फिर दोनों का के लास का किराया एक समान हो गया। हालांकि, अब इसे वापस अलग-अलग किया जा रहा है। सरकार का यह फैसला इसलिए भी काफी मायने रखता है, के योंकि किराया घटाने के बावजूद यात्रियों को चादर-कंबल-तकिया जैसी सुविधाएं मिलती रहेंगी। दरअसल, जब एसी -3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत हुई थी तो रेलवे इसके यात्रियों को चादर-कंबल नहीं देता था। बाद में जब दोनों क्लास मर्ज किए गए और किराया भी बराबर हो गया तो इकोनॉमी कोच में भी चादर-कंबल मिलने लगा। इस सुविधा को रेलवे आगे भी बरकरार रखेगी और किराया घटाने के बावजूद इसे बंद नहीं किया जाएगा। जिन यात्रियों ने पहले से ही टिकट की बुकिंग करा ली है, उन्हें भी घटाए गए किराये का लाभ दिया जाएगा। इसमें ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों मोड से टिकट लेने वाले यात्री शामिल होंगे। ऑनलाइन बुकिंग वालों को रिफंड का पैसा सीधे उनके खाते में भेजा जाएगा। हालांकि, काउंटर से टिकट खरीदने वाले यात्रियों को अपना बचा पैसा लेने के लिए टिकट के साथ दोबारा काउंटर पर जाना होगा। समिति ने वरिष्ठ नागरिकों को भी 40 फीसदी छूट किराए में देने की सिफारिश की है।

कच्चे तेल में तेजी, कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल में बदलाव

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर उछाल आना शुरू हो गया है। क्रूड का भाव वैश्विक बाजार में 76 डॉलर को भी पार कर गया। इसका असर गुरुवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। गुरुवार को यूपी से बिहार तक कई जिलों में तेल के दाम बदल गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 27 पैसे सस्ता हुआ और 96.65 रुपए लीटर पहुंच गया। डीजल भी 26 पैसे गिरकर 89.76 रुपए लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और 96.57 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.76 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 107.59 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 50 पैसे गिरकर 94.36 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में खासा बदलाव आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 76.03 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी वैश्विक बाजार में बढ़कर 70.15 डॉलर प्रति बैरल है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल

96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची

-भारतीय टीम दूसरे स्थान पर खिसकी

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली 2-1 की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम दूसरे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड को घरेलू धरती पर 3-0 से हराकर नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी थी। इसके बाद भारतीय टीम ने श्रीलंका को भी 3-0 से हराया था। भारतीय टीम ने लगातार आठवां एकदिवसीय भी जीता था। वह इसी साल के अंत में खेले जाने वाले विश्व कप से पहले अच्छी लय में आ गयी थी पर इस हार से उसे झटका लगा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लगातार दो एकदिवसीय में उसे हराकर नंबर एक स्थान से धकेल दिया है।

दूसरे और तीसरे एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर भारतीय गेंदबाज अंकुश नहीं लगा पाये।

पिछले चार साल में घरेलू मैदान पर सारे प्रारुपों में 26 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम को पहली बार इस सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में भारत को 2-1 से हराया। एमए चिदंबरम स्टेडियम में जीत के लिए मिले 270 रन के लक्ष्य के जवाब में भारतीय शेर 248 रन पर ही आउट हो गयी।

निशानेबाजी विश्व कप : भारत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीता

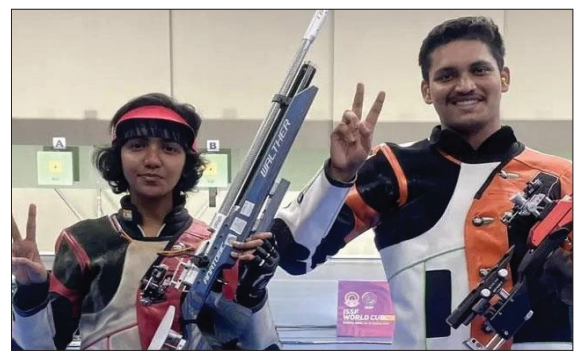

भोपाल (एजेंसी)। भारत ने गुरूवार को यहां आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। इससे भारत के टूर्नामेंट में पदकों की संख्या चार हो गयी है जिसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। भारत के लिए वरूण तोमर और रिदम सांगवान की एयर पिस्टल मिश्रित टीम जोड़ी ने दूसरा स्थान जबकि रूद्रांक्ष पाटिल और आर नर्मदा नितिन ने एयर राइफल स्पर्धा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चीन ने टूर्नामेंट में दिन के दोनों स्वर्ण पदक जीते। वरूण ने बुधवार को एयर पिस्टल में व्यक्तिगत कांस्य पदक भी जीता था। उन्होंने रिदम सांगवान के साथ मिलकर चीन की कियान वेई और लियू जिनयाओ की जोड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण पदक दौर में 11-17 से हार गयी। वहीं दिव्या टीएस और सरबजोत सिंह की दूसरी भारतीय टीम एक अंक से कांस्य पदक से चूक गई और 574 के स्कोर से पांचवें स्थान पर रही।

वहीं पिछले महीने काहिरा में आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली रूद्रांक्ष और आर नर्मदा की जोड़ी घरेलू सरजमीं पर वही जादू नहीं दिखा सकी और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक के मैच में भारतीय जोड़ी ने चीन के झांग कियोंगुए और यु हाओनान को 16-8 से शिकस्त दी। वहीं इस स्पर्धा में हृदय हजारिका और तिलोत्मा सेन की दूसरी भारतीय जोड़ी नौंवे स्थान पर रही।

तीन बार शून्य पर आउट होने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने सूर्यकुमार

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव एक बार फिर विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए तीसरे मैच में भी सूर्यकुमार अपना खाता नहीं खोल पाये। पहले दो मैचों की तरह ही वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाये। सूर्यकुमार इस मैच में स्पिनर एश्टन एडगर की गेंद पर आउट हुए।

एकदिवसीय क्रिकेट में भारत की ओर से छठी बार कोई खिलाड़ी शून्य पर ही आउट हुआ है। सूर्यकुमार पहले दो मैचों में भी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। पहले दोनों ही अवसरों पर तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उन्हें आउट किया था। इसी के साथ ही सूर्यकुमार एकदिवसीय में लगातार तीन मैचों में खाता खोले बिना ही आउट होने वाले भारत के छठे बल्लेबाज हैं।

सूर्यकुमार ने अभी तक 23 एकदिवसीय खेले हैं। इसमें उन्होंने 24.06 की औसत से 433 रन ही बनाये हैं। इसमें केवल दो अर्धशतक हैं। सूर्यकुमार ने टी20 में लगातार तीन शतक लगाये हैं पर एकदिवसीय में वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। सूर्यकुमार को बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की जगह पर एकदिवसीय में उतारने की योजना थी पर अब टीम प्रबंधन को अपने इस फैसले पर फिर विचार करना होगा। वह पिछली 11 एकदिवसीय पारियों में केवल 110 रन ही बना पाये है। इसमें भी केवल तीन बार ही वह दो अंकों तक पहुंचे हैं।

एकदिवसीय में सूर्यकुमार के अलावा लगातार तीन बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर (1994), अनिल कुंबले (1996), जहीर खान (2003-04), ईशांत शर्मा (2010-11), जसप्रीत बुमराह (2017-2019)।

आईपीएल के 16 वें सत्र में लागू होंगे नये नियम, टॉस के बाद भी अंतिम ग्यारह चुन सकेंगे कप्तान

मुंबई (एजेंसी)। 31 मार्च से यहां शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में कई बदलाव भी नजर आयेंगे जिससे 2023 का ये सत्र और भी रोमांचक होने की संभावनाएं हैं। इस सत्र में जब दोनो ही टीमों के कप्तान टॉस के लिए मैदान में उतरेंगे तो उनके पास दो अलग-अलग अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की सूची होगी और वे टॉस के बाद अपनी अंतिम ग्यारह घोषित कर सकेंगे। वहीं अभी तक कप्तानों को टॉस के पहले ही अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा करनी पड़ती थी। वहीं अब कप्तान टॉस के बाद हालात के अनुसार अपनी अंतिम ग्यारह का चयन करेंगे। इस नियम से कप्तानों को हालात के अनुसार इम्पैक्ट (प्रभावी) खिलाड़ी के चयन में सहायता मिलेगी।

वहीं टूर्नामेंट की समिति 'इम्पैक्ट सब्स्टिट्यूशन' (इम्पैक्ट खिलाड़ी के स्थानापन्न) की घोषणा पहले ही

कर चुकी है जिसके तहत एक नए खिलाड़ी को मैच के दौरान पांच निर्धारित वैकल्पिक खिलाड़ियों से बदला जा सकता है। इसके अलावा अग निर्धारित समय में टीम पूरे ओवर नहीं डाल पाती है तो प्रत्येक ओवर के लिए 30 यार्ड सर्कल के बाहर केवल चार फील्डर रखने की ओवर रेट पेनल्टी लगेगी। वहीं विकेटकीपर यदि कोई गलती करता है तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा और बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन अतिरिक्त दिये जाएंगे। इसके अलावा फील्डर भी अगर कुछ गलत करता है तो भी गेंद को डेड घोषित करके पांच रन की पेनल्टी लगाई जाएगी।

आईपीएल से पहले हाल में दक्षिण अफ्रीका की लीग एसए20 हुई थी, उसमें भी ये नियम लागू किया गया था। इसमें टीमों को टॉस के बाद अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की सुविधा मिली थी। तब टीमों ने टॉस के बाद अपनी अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा करने से पहले टीम शीट पर 13 नाम रखे हुए थे। यानी 11 खिलाड़ी तो वे जो खेल रहे हैं और दो खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में रखे गए थे। इस नए नियम से बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम को भी सहायता मिलने की संभावना है। इससे गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बेहतर संतुलन होने से मैच भी रोमांचक होने की संभावना है।

आईपीएल में पहली बार खेलेंगे रुट , ग्रीन और ब्रूक जैसे खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु होने जा रहे आईपीएल में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार इस लीग में उतरेंगी। इसमे युवा के साथ ही अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया , इंग्लैंड के अलावा जिम्बाब्वे के अलावा ही एसोसिएट देश के भी कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। 31 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज जो रूट भी पहली बार आईपीएल खेलेंगे। रूट को उनके बेस प्राइस 1 करोड़ में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। रूट ने 5 साल बाद आईपीएल ऑक्शन में अपना नाम भेजा था। इससे पहले उन्होंने 2018 के ऑक्शन में अपना नाम रजिस्टर्ड कराया था पर तब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं खरीदा था। जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर

सिकंदर रजा भी पहली बार आईपीएल खेलेंगे रजा का पंजाब किंग्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पहली बार आईपीएल खेलेंगे। ग्रीन को मुंबई इंडियंस ने 17.50 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदा था। ग्रीन मध्यम तेज गति के बेहतरीन गेंदबाज भी हैं। वह आईपीएल इतिहास में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। ग्रीन ने भारत दौरे पर टेस्ट में शतक भी लगाया था।

वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक भी शानदार लया में हैं। ब्रूक को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में ब्रूक ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। ब्रूक ने करियर की शुरुआती 9 पारियों में 800 रन बनाकर एक रिकार्ड बनाया था। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज फिल साल्ट भी पहली बार आईपीएल में खेलेंगे। साल्ट को 2 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था। दाएं हाथ के विकेटकीपर बैटर फिल साल्ट दिल्ली कैपिटल्स में बतौर विकेटकीपर भी भूमिका भी निभा सकते हैं। टीम के नियमित कप्तान ऋषभ पंत चोटिल हैं। ऐसे में साल्ट विकेटकीपर के तौर पर टूर्नामेंट में उतरेंगे।.

स्विस ओपन : पीवी सिंधू और प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बासेल । भारत के स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय ने यहां महिला और पुरुष एकल में अपने-अपने मैच जीतकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट चीन के शि यू क्यूई से दूसरा गेम गंवाने के बावजूद 21-17 19-21 21-17 से जीत दर्ज की। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और यहां चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर में स्विट्जरलैंड की जेनजीरा स्टैडेलमैन को एकतरफा मुकाबले में 21-9 21-16 से हराकर अपने खिताब की रक्षा के लिए शानदार शुरुआत की। प्रणय का अगला मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से होगा, जबकि सिंधू का सामना इंडोनेशिया की 20 वर्षीय पुत्री कुसुमा वारदानी से होगा, जो 2022 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं।

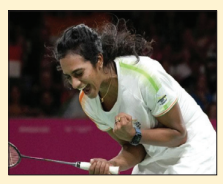

विश्व कप में सपाट बल्लेबाजी पिचों की

जरुरत : आकाश चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम को सपाट बल्लेबाजी पिचों की जरुरत रहेगी। चोपड़ा ने कहा, विचार करने के लिए बहुत सारे सवाल। मेरे लिए एक बड़ी बात यह है कि जब विश्व कप होगा तो हमें पूरी तरह से सड़क जैसी पिचों की आवश्यकता होगी क्योंकि हमें न तो सीम की जरूरत है और न ही टर्न की। जब गेंद स्विंग कर रही थी, तो हमें परेशानी का सामना करना पड़ा था। हमने पांच विकेट गंवाए। एक बार 180 रन का पीछा करते हुए और दूसरी बार 117 रन पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा प्रयास किया पर अंत में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी इकाई अपने काम में सफ रही। दूसरे एकदिवसीय में मिशेल स्टार्क की तेजी गेंदबाजी और अंतिम एकदिवसीय में एडम जम्पा की स्पिन के सामने भारतीय बल्लेबाजी क्रम ध्वस्त हो गया। इसी के साथ ही भारतीय टीम आईसीसी रैंकिंग में भी फिसल गयी। ऑस्ट्रेलिया के आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के बाद चोपड़ा ने कहा, मेरा दिल टूट गया है क्योंकि हम अब दुनिया की नंबर 1 एकदिवसीय टीम नहीं हैं। बहुत से लोग कहते हैं कि आईसीसी रैंकिंग से फर्क नहीं पड़ता पर यह भी सही है कि नंबर एक से बाहर होना निराशाजनक होता है।

स्कॉटलैंड के पूर्व कप्तान कोएट्जर ने खेल के सभी प्रारुपों को अलविदा कहा

लंदन (एजेंसी)। स्कॉटलैंड के पूर्व कप्तान काइल कोएत्जर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया है। कोएत्जर की कप्तानी में ही टीम ने साल 2018 में इंग्लैंड को हराया था। इस प्रकार टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 चरण में अपनी टीम की जगह पक्की की थी। कोएट्जर ने अलग-अलग प्रारूपों के 159 मैचों में स्कॉटलैंड की ओर से 4,687 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अपनी टीम की ओर से एकमात्र शतक साल 2015 में बांग्लादेश के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में लगाया था। यह किसी आईसीसी इवेंट में स्कॉटलैंड का एकमात्र शतक है।

कोएट्जर ने 89 एकदिवसीय मैचों की 87 पारियों में 38.92 की औसत और 82.37 के स्ट्राइक रेट से 3,192 रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी के नाम 50 ओवर के प्रारूप में पांच शतक और 21 अर्धशतक हैं। इसके अलावा कोएट्जर ने 70 टी20आई की 68 पारियों में 22.65 की औसत से 1,495 रन बनाए। उन्होंने प्रारूप में छह अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने छोटे प्रारूप में 119.21 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। इस खिलाड़ी ने अपने 159 मैचों में से 86 में कप्तानी की थी जिसमें स्कॉटलैंड ने 46 बार जीत हासिल की। उनकी कप्तानी में ही टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 के लिए क्वालीफाई किया था। पिछले महीने नेपाल में क्रिकेट विश्व कप लीग 2 की ट्रॉफी जीतने के बाद इस क्रिकेटर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उच्च स्तर पर संन्यास ले लिया था। वहीं एक व्यक्तिगत क्रिकेटर के रूप में उनके करियर के सबसे बड़े क्षणों में से एक 2020 में आईसीसी पुरुष एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द डिकेड का खिताब भी रहा है। कोएट्जर नॉर्दर्न डायमंड्स के सहायक कोच भी रहे हैं। अपने संन्यास के बाद के कार्य को लेकर कोएट्जर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस तरह के फैसले के लिए एक सही समय है, पर मैं कुछ समय के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा था और एक अवसर आया जो बहुत

अच्छा था। इस समय स्कॉटलैंड की टीम को जिस संतुलन की जरूरत है उसको देखते हुए मैं कोच के तौर पर टीम को बेहतर बनाना चाहता हूं।

भारतीय मुक्केबाज नीतू महिला विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन नीतू गघांस (48 किग्रा) ने गुरूवार को यहां कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा पर 5-2 की जीत से महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला पिछले साल के क्वार्टरफाइनल जैसा ही था। इसमें नीतू और बाल्कीबेकोवा ने पहले दौर में एक दूसरे पर जमकर मुक्के जड़े। हालांकि कजाखस्तान की मुक्केबाज ज्यादा हावी रहीं जिससे पहला राउंड 3-2 से उनके नाम रहा। दूसरे राउंड में हालांकि नीतू ने मजबूत वापसी करते हुए दमदार 'हुक्स' और 'जैब्स' जड़े। दोनों मुक्केबाज एक दूसरे को जकड़ने की कोशिश करती रहीं लेकिन नीतू इस राउंड को अपने नाम करने में सफल रही। अगले तीन मिनट काफी तनावपूर्ण रहे जिसमें नीतू ने बाल्कीबेकोवा से बेहतर प्रदर्शन किया जिससे मुकाबले का 'रिव्यू' किया गया और उन्हें विजेता घोषित किया गया।

भारतीय टीम इन कारणों से ऑस्ट्रेलिया से एकदिवसीय सीरीज हारी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इस सीरीज की शुरुआत भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में जीत के साथ की थी पर इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत के साथ ही सीरीज पर कब्जा कर लिया। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज विफल रहे पहले मैच में भी भारतीय टीम को बड़ी मुश्किल से जीत मिली। तब केवल लोकेश राहुल और रविन्द्र जडेजा ही रन बना पाये थे। भारतीय टीम की हार के कारणों में सूर्यकुमार यादव, , अक्षर पटेल के असफल होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और स्पिनर एडम जंपा की घातक गेंदबाजी भी एक कारण रही। स्टार्क ने जहां दूसरे एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाजी क्रम को समेटा। वहीं जंपा ने तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम पर अंकुश लगा दिया।

मिशेल स्टार्क : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने दूसरे एकदिवसीय में पांच विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने के साथ ही अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। भारतीय टीम इस बाएं हाथ के गेंदबाज का तोड़ नहीं तलाश पायी।

सूर्यकुमार यादव : आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पर मध्यक्रम में रन बनाने की अहम जिम्मेदारी थी जिसे वह निभा नहीं पाये। वह तीनों ही मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाये जबकि उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती रही। इससे भी अन्य बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा। तीसरे एकदिवसीय की बात करें तो 29वें ओवर की पहली गेंद पर विराट कोहली अर्धशतक लगाकर स्पिनर एश्टन एगर की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उतरे सूर्यकुमार पहली ही गेंद पर आउट हो गये।

अक्षर पटेल: स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को दूसरे मैच में गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी को भी मजबूती देने के लिए उतारा गया था। दूसरे मैच में उन्होंने नाबाद 29 रन बनाये थे पर तीसरे मैच में जब टीम कठिन हालातों में थी तो अक्षर रन नहीं बना पाये।

एडम जांपा : तीसरे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने भारतीय बल्लेबाजों को अपनी स्पिन से बांध दिया। जांपा ने 10 ओवर में 45 रन देकर 4 विकेट

लिए। उन्होंने शुभमन गिल 37, केएल राहुल 32, हार्दिक पांड्या 40 व रविंद्र जडेजा 18 को आउट कर भारतीय टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

रोहित ने खराब प्रदर्शन के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की, भागीदारियां नहीं बना सके: रोहित

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में आस्ट्रेलिया से मिली 21 रन की हार के लिये अपनी बल्लेबाजी को जिम्मेदार ठहराया जिसकी वजह से टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला 1-2 से गंवा दी। रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि लक्ष्य बड़ा था। विकेट दूसरी पारी में हालांकि थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो गया था। पर मुझे नहीं लगता कि हमने अच्छी बल्लेबाजी की। साझेदारियां महत्वपूर्ण होती हैं और आज हम इन्हें बनाने में असफल रहे।'' उन्होंने कहा, ''हम जिस तरह से आउट हुए, वह निराशाजनक रहा। हम इसी तरह के विकेट पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। कभी कभार आपको खुद को मौका देना होता है।''

रोहित ने कहा, ''महत्वपूर्ण था कि एक बल्लेबाज अंत तक खेलता रहे। लेकिन हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे थे। पर ऐसा हुआ नहीं। हमने जनवरी से नौ वनडे खेले हैं, हम उनसे काफी सकारात्मक चीजें ले सकते हैं। यह पूरी टीम की हार है।'' एडम जम्पा ने 45 रन पर चार विकेट लेकर भारत के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया, उन्हें 'प्लेयर आफ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा, ''मुझे यहां सफलता मिली है। यहां आकर खेलना बड़ी चुनौती है। एशटन एगर ने मैच का रूख बदल दिया।'' वहीं मिचेल मार्श को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया जिन्होंने तीन मैचों में 194 रन बनाये।

जब स्टेडियम में घुसी चील

चेन्नई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेले गये अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में एक चील के घुसने से मैच में बाधा आई थी और कुछ देर के लिए खेल भी रोकना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम के दिये 270 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम जब बल्लेबाजी कर रही थी तभी मैच के 42 वें ओवर में एक ऐसी घटना घटी जिसके कारण खेल को कुछ देर तक के लिए रोकना पड़ गया। मैच के 42 वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस जब गेंदबाजी करने जा रहे थी। तभी एक चील उड़ती हुई मैदान में उतरी और पलक झपकते ही अपने शिकार को पकड़कर आसमान में ले उड़ी। इस दौरान हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी कर रहे थे। चील को देखते ही गेंदबाज स्टोइनिस हड़बड़ा कर रुक गये। बाद में सभी खिलाड़ी हंसने लगे। कुछ मिनट रुकने के बाद खेल फिर शुरु हुआ। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी के दौरान भी 43वें ओवर में जब कुलदीप यादव गेंदबाजी कर रहे थे तभी अचानक ही एक कुत्ता तेजी से मैदान में आ गया था। कुत्ते को मैदान में देखकर सुरक्षाकर्मी उसके पीछे भागे पर वह पकड़ में नहीं आ रहा था। बढ़ी मुश्किल से उसे बाहर किया गया। अचानक मैदान पर घुसे इस कुत्ते को देखकर खिलाड़ी भी हैरान थे पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा हंसते नजर आये। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। जानवरों के मैदान में घुस आने के ऐसे वाकये पहले भी हुए हैं। एक बार तो गुवाहाटी के मैदान पर एक सांप भी आ गया था हालांकि तब किसी को नुकसान नहीं पहुंचा था।

59 साल के बाद भी नहीं टूटा ये रिकार्ड

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज बापू नाडकर्णी का सबसे अधिक मेडल ओवर फेंकने का रिकार्ड आज तक नहीं टूटा है। ये आगे भी बने रहने की उम्मीद है। नाडकर्णी के नाम टेस्ट मैच में लगातार 21 मेडल ओवर फेंकने का रिकार्ड है। साल 1964 में इंग्लैंड की टीम भारत के दौरे पर थी तब उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की थी। इस मैच में इंग्लैंड की पहली पारी में नाडकर्णी ने 32 ओवर डाले। इसमें उन्होंने 27 मेडल डाले सिर्फ 5 रन ही दिए। इस दौरान 21.5 यानी लगातार 131 गेंदों पर उनके खिलाफ कोई रन नहीं बना।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है। लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

मध्य यमन में हिंसा से कम से कम 16 सुरक्षाकर्मी मारे गए

सना । मध्य यमन में नए सिरे से हिंसा शुरू हो गई है, जिसमें कम से कम 16 सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। सुरक्षा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। शांति प्रयासों को लेकर राजनयिकों और नेताओं द्वारा नई आशा व्यक्त करने बाद कुछ दिन बाद रमजान के पवित्र माह की पूर्व संध्या पर युद्धग्रस्त देश में हिंसा भड़क गई। दो सुरक्षा अधिकारियों और एक स्थानीय आदिवासी नेता ने बताया कि हिंसा उस समय शुरू हुई, जब हूती विद्रोही मध्य प्रांत मारिब के हरीब शहर में आ गए। उन्होंने बताया कि हिंसा जारी रही और इसके कारण शहर और इसके आसपास के इलाकों में संचार सुविधाएं ठप हो गई। दोनों पक्षों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अधिकारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि मारे गए 16 लोगों में दोनों पक्षों के लोग शामिल हैं और 20 अन्य लोग घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने तेल-समृद्ध मारिब में अपनी सैन्य गतिविधियों को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है। यमन के ईरान समर्थित हूती समूह ने 2021 में कई बार तेल-समृद्ध प्रांत पर नियंत्रण करने का प्रयास किया। उस वर्ष काफी समय तक हूती ने हरीब शहर को अपने कब्जे में रखा था।

जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने के संबंध में विधेयक पेश किया

वाशिंगटन । अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की एक नेता ने जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने के संबंध में कैलिफोर्निया सीनेट में एक विधेयक पेश किया है। यदि विधेयक पारित होता है,तब कैलिफोर्निया जातिगत भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। राज्य के सीनेट में चुनी गईं पहली मुस्लिम और अफगान अमेरिकी आइशा वहाब ने यह विधेयक पेश किया। इससे एक महीने पहले ही सिएटल जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला अमेरिका का पहला शहर बना था। भारतीय अमेरिकी नेता एवं अर्थशास्त्री ने सिएटल सिटी काउंसिल में भेदभाव न करने की नीति में जाति को शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था। वहाब ने विधेयक पेश करने के बाद कहा, ''यह ऐतिहासिक विधेयक श्रमिकों के अधिकारों, महिलाओं के अधिकारों, समलैंगिक अधिकारों और नागरिक अधिकारों की बात करता है।''

फ्रांस में बच्चों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालना दंडनीय

पेरिस । फ्रांस की नेशनल असेंबली ने एक बिल पास किया है। इस बिल के अनुसार अब माता-पिता भी अपने बच्चे की फोटो या वीडियो या उनसे जुडी कोई भी जानकारी सोशल मीडिया में बिना बच्चों की अनुमति के नहीं डाल सकेंगे। माता-पिता की जिम्मेदारी होगी,कि वह अपने बच्चों की प्राइवेसी को सुरक्षित रखे। जो बिल पास किया गया है। इस के माध्यम से बच्चों की प्राइवेसी को सुरक्षित रखने में बच्चों को अधिकार दिया गया है। इस बिल के पास हो जाने के बाद यदि माता-पिता में से कोई भी बच्चे की तस्वीर या वीडियो बिना बच्चों से पूछे,,इंटरनेट पर शेयर करता है। तो ऐसी स्थिति में दोनों को प्रशासनिक एवं अपराधिक कार्रवाई से गुजरना होगा। बिना बच्चों से परमिशन लिए कोई भी वीडियो या फोटो अब पेरेंट्स भी नहीं डाल पाएंगे। बिना परमिशन के यदि वह सोशल मीडिया पर वीडियो या फोटो शेयर करेंगे। तो उन्हें जेल भेजने का प्रावधान इस बिल में किया गया है।

बेड पर कंबल में छिपकर बैठा था 6 फुट लंबा सांप, कांप गई महिला

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक महिला अपने बिस्तर में 6 फुट के जहरीले सांप को दुबका हुआ देखकर कांप गई। हाल ही यह घटना बताई जा रही है। जब महिला अपने बिस्तर की चादर बदलने के लिए बेडरूम में गई और उसके कंबल के नीचे एक बेहद जहरीला ईस्टर्न ब्राउन सांप निकला। उसने जल्दी से दरवाजा बंद कर दिया। सांप को घर से भागने से रोकने के लिए नीचे जगह में एक तौलिया लगा दिया और एक सांप पकड़ने वालों को सूचित किया। सांप को पकड़ने वाले ज़ैचेरीज़ रिचर्ड्स ने कहा कि जब मैं पहुंचा, तो महिला बाहर मेरा इंतजार कर रही थी, मैं अंदर बेडरूम में गया जहां सांप था। मैंने दरवाजा खोला तो वह बिस्तर में लेटा हुआ था। सांप 6 फुट लंबा था। जैचेरीज़ ने फेसबुक पर सांप की तस्वीरें पोस्ट की है। रिचर्ड्स ने कहा कि गर्मी से बचने के लिए सांप खुले दरवाजे से अंदर आया होगा, क्योंकि उस दिन बाहर काफी गर्मी थी। इसे पकड़ने के बाद, उन्होंने सांप को पास की झाड़ियों में छोड़ दिया। सांप पकड़ने वाले ने दूसरों को महिला की तरह ही बचने की सलाह दी। ईस्टर्न ब्राउन स्नेक ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे जहरीले लैंड स्नेक हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न की ऑस्ट्रेलियन वेनम रिसर्च यूनिट के आंकड़ों के अनुसार, यह दुनिया भर में धरती पर पाए जाने वाले सांपों में दूसरा सबसे जहरीला सांप है। क्वींसलैंड में पर्यावरण और विज्ञान विभाग के अनुसार ये प्रजाति दिन के दौरान सबसे अधिक सक्रिय होती है और उकसाए जाने पर काट सकती है।

मलावी में चक्रवात का कहर : 507 शव बरामद मृतकों की संख्या एक हजार तक पहुंचने का अंदेशा

लिलोंग्वे । मलावी में उष्णकटिबंधीय चक्रवात फेडी से मरने वालों की संख्या एक हजार तक पहुंचने का अंदेशा है, क्योंकि और शव बरामद किए जा रहे हैं और कई लोग अभी भी लापता हैं। मंगलवार शाम तक बरामद शवों की संख्या 507 तक पहुंच गई, जैसा कि सोमवार को बताया गया था, लापता व्यक्तियों की संख्या 427 से बढ़कर 537 हो गई और घायलों की संख्या 1332 शेष रही। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विस्थापित लोगों की संख्या 5 लाख 8 हजार 244 से बढ़कर 5 लाख 53 हजार 614 हो गई है और उन्हें समायोजित करने के लिए नौ और शिविर लगाए गए हैं, जिससे कुल शिविरों की संख्या 543 हो गई है। खोज और बचाव अभियान जारी रहा, क्योंकि मलावी रक्षा बल और मलावी पुलिस सेवा ने प्रभावित क्षेत्रों में ब्रिटिश, जाम्बिया और तंजानिया के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम किया। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि पड़ोसी देशों, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय संगठनों के साथ-साथ व्यक्तियों से अधिक मानवीय सहायता और समर्थन मिल रहा है।

भारतीय अमेरिकी एक्ट्रेस मिंडी कलिंग को मिला 'नेशनल मेडल ऑफ आर्ट्स-2021'

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह में कहानीकारों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए भारतीय-अमेरिकी अभिनेत्री और निर्माता मिंडी कलिंग एवं कई अन्य लोगों को प्रतिष्ठित 'नेशनल मेडल ऑफ आर्ट्स-2021' पदक प्रदान किया। भारतीय-अमेरिकी वेरा मिंडी चोकलिंगम मिंडी कलिंग के नाम से मशहूर हैं। अमेरिकी सरकार द्वारा 'नेशनल मेडल ऑफ आर्ट्स' पदक कलाकारों, कला संरक्षकों और समूहों को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है, जो उन अनुकरणीय लोगों और संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने अमेरिका में कला को आगे बढ़ाया है और अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से दूसरों को प्रेरित किया है। अभिनेत्री को पदक प्रदान करते हुए बाइडेन ने कहा कि कलिंग प्राइम टाइम सिटकॉम बनाने, लिखने और अभिनय करने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। पुरस्कार समारोह में प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि 43 वर्षीया अभिनेत्री अपनी कहानियों को बेबाकी और ईमानदारी के साथ पेश करके नई पीढ़ी को सशक्त बनाती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय प्रवासियों की बेटी, हम उनके बारे में जानते हैं, है ना? हमारी उपराष्ट्रपति भी भारतीय प्रवासी की बेटी हैं। उनकी मां एक महान वैज्ञानिक थीं। मिंडी के अलावा जूडिथ फ्रांसिस्का बाका, फ्रेड आइचनर, जोस फेलिसियानो, ग्लेडिस नाइट, जूलिया लुइस-ड्रेफस, एंटोनियो मार्टोरेल-कार्डोना, जोन शिगेकावा, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, वेरा वैंग, द बिली हॉलिडे थिएटर और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लैक्स इन डांस को 'नेशनल मेडल ऑफ आर्ट्स' पदक दिए गए। वहीं 2021 'नेशनल ह्यूमैनिटीज मेडल' के विजेताओं की सूची में रिचर्ड ब्लैंको, जोहनेट्टा बेटश कोल, वाल्टर इसाकसन, अर्ल लुईस, हेनरिटा मान, एन पैटचेट, ब्रायन स्टीवेन्सन, एमी टैन, तारा वेस्टओवर, कोलसन व्हाइटहेड और नेटिव अमेरिका कॉलिंग का नाम शामिल है।

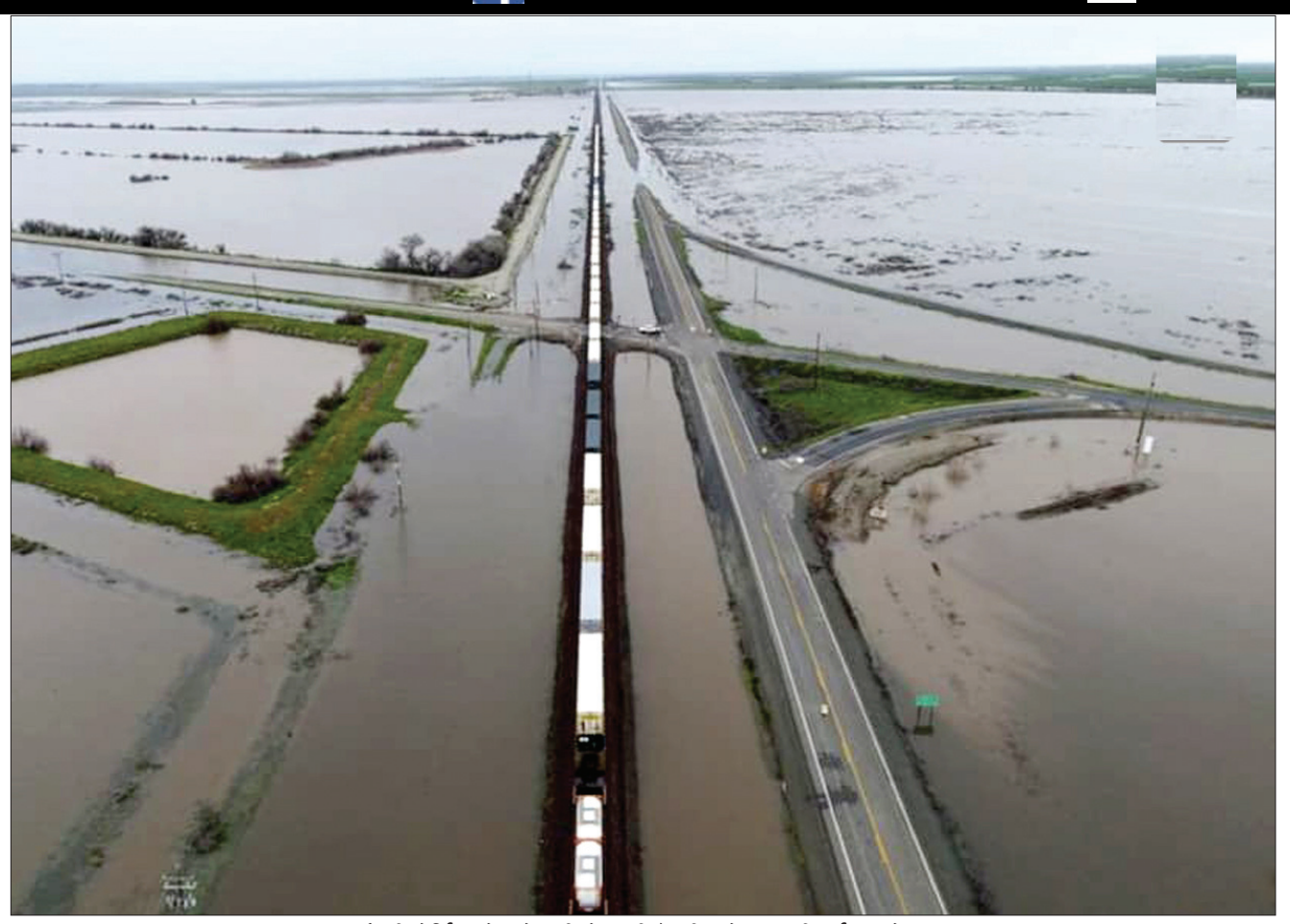

कैलीफोर्निया में टूले नदी में पानी के बीच से गुजरती हुई एक ट्रेन

कैंडिडा ऑरिस नाम के रहस्यमय फंगस से अमेरिका में हो रहे लोग बीमार

न्यूयॉर्क । कैंडिडा ऑरिस नाम का एक रहस्यमय और घातक फंगल संक्रमण तेजी से पूरे अमेरिका में फैला रहा है।फंगस पर नजर रखने वाले यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने इसकी जानकारी दी है। मालूम हो कि पछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सी ऑरिस को 19 फंगल पैथोगन की लिस्ट में प्रायोरिटी में शामिल किया था। मल्टीड्रग-रेजिस्टेंस फंगस की पहचान सबसे पहले 15 साल पहले जापान में हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, इसने 2022 में अमेरिका में 2377 लोगों को संक्रमित किया है। सीडीसी के नए रिसर्च से पता चलता है कि 2021 में देश के स्वास्थ्य केंद्रों में 2019 और 2021 के मुकाबले 95 फीसदी ज्यादा केस फंगल संक्रमण के मिले थे। वहीं 2016 में इस फंगस ने अमेरिका में केवल 53 लोगों को ही संक्रमित किया था। अमेरिका के साथ कोलंबिया में भी इस घातक संक्रमण ने प्रवेश कर लिया है। कुल 28 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया ने इस संक्रमण के कंफर्म केस की पुष्टि की है। इसके साथ ही मौजूदा स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि सारे सेफ्टी मेजर्स इस फंगस से लड़ने के लिए काफी नहीं हैं। डब्ल्यूएचओ और सीडीसी , दोनों ने इस फंगस को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बढ़ते खतरे के रूप में चिह्नित किया है, क्योंकि इसकी मृत्यु दर 60 प्रतिशत तक है। एक्सपर्ट का कहना है कि जो लोग बुजुर्ग हैं या जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर है, वे विशेष रूप से फंगस के संपर्क में आने के बाद ज्यादा संक्रमित हो सकते हैं। यह फंगस घाव और कान के संक्रमण का कारण बनता है।

जिनपिंग को पुतिन ने दी सलामी विदाई व यूक्रेन में रातभर दागता रहा मिसाइलें व ड्रोन

- दोहरे मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत, 33 लोग घायल

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मित्र और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग कल मास्को से बीजिंग रवाना हो गए। उनकी सलामी विदाई में रूस ने बुधवार को रातभर यूक्रेन पर मिसाइलें दागीं और ड्रोन से हमले किए। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार रूसी मिसाइलों ने रातभर यूक्रेन के दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया के आवासीय परिसरों पर हमले किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन के दमकलकर्मियों ने दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया में दो निकटवर्ती आवासीय भवनों में लगी आग पर काबू पा लिया है, जहां डबल मिसाइल हमले किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि इस दोहरे मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 33 लोग घायल हो गए हैं। रूसी सैनिकों ने जापोरिज्जिया में एक अपार्टमेंट ब्लॉक को मिसाइलों से उड़ा दिया था।

यूक्रेन के क्षेत्रीय पुलिस प्रमुख एंड्री नेब्योतोव ने मीडिया को बताया कि कीव के दक्षिण में एक नदी किनारे बसे शहर रेजिचिव में दो छात्रावासों और एक कॉलेज पर ड्रोन से हमला किया गया है, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए हैं।

जेलेंस्की द्वारा टेलीग्राम पर पोस्ट किया गया वीडियो सीसीटीवी फुटेज प्रतीत हो रहा है, जिसमें एक मिसाइल नौ मंजिला रिहायशी परिसर पर गिरती हुई दिखाई दे रही है। यूक्रेन की मीडिया ने इस हमले की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें रिहायशी परिसर की क्षतिग्रस्त इमारतें नजर आ रही हैं। इस हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है।

हालांकि, रूस द्वारा नियुक्त एक अधिकारी ने दावा किया कि रिहायशी इमारत पर गिरी मिसाइल यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली की थी, जिसे एक रूसी मिसाइल को नष्ट करने के लिए दागा गया था। हालांकि, उन्होंने अपने दावे की पुष्टि के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। रूस ने आवासीय क्षेत्रों को लक्षित कर हमला करने के आरोपों से इनकार किया है, यद्यपि तोपखाने और रॉकेट हमलों ने रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया हो। रूसी अधिकारियों ने बीते कुछ समय के दौरान रिहायशी इमारतों पर हमलों के लिए यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली को जिम्मेदार ठहराया है।

पश्तून कार्यकर्ता ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और पाकिस्तान के संबंधों का खुलासा किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्तून कार्यकर्ता ने संयुक्त राष्ट्र में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के साथ पाकिस्तान के संबंधों को उजागर किया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 52वें सत्र के दौरान एक पश्तून राजनीतिक कार्यकर्ता ने पाकिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ घनिष्ठ संबंधों की बात का जिक्र किया। फजल-उर-रहमान अफरीदी ने कहा कि हम खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) पाकिस्तान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति की ओर परिषद का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, जो पश्तून जातीय अल्पसंख्यकों के बुनियादी मौलिक अधिकारों और जीवन के लिए गंभीर निहितार्थ हैं। हम पाकिस्तान राज्य और टीटीपी के बीच हुए अघोषित समझौते के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हैं, जिसमें शरिया कानूनों के तहत शासित होने के लिए टीटीपी को एक्स-एफएटीए सौंपने की बात कही गई है। उन्होंने परिषद को बताया कि सौदे के तहत करीब 44,000 टीटीपी उग्रवादियों और उनके परिवारों को केपीके में फिर से बसाना है। हजारों पश्तूनों, विशेष रूप से पश्तून संरक्षण आंदोलन ने इस सौदे के खिलाफ पूरे पाकिस्तान में प्रदर्शन किया है और अपनी भूमि में शांति के लिए अपनी तीव्र इच्छा का प्रदर्शन किया है। आफरीदी ने कहा कि टीटीपी ने हाल ही में जारी रिपोर्ट में 367 हमलों को अंजाम देने का दावा किया है। खैबर पख्तूनख्वा में 348 हमले, बलूचिस्तान में 12, पंजाब में पांच और पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2022 में 446 लोग मारे गए और 1015 लोग घायल हुए। इससे पहले दिसंबर 2014 में, सबसे घातक हमलों में से एक में एक ही समूह मारा गया था। पेशावर में एपीएस के 147 छात्र और शिक्षक। पश्तून कार्यकर्ता ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र से निष्पक्ष तंत्र के माध्यम से इन दुर्व्यवहारों की जांच करने और यदि संभव हो तो अपराधियों को न्याय दिलाने का अनुरोध करते हैं।

यूके में 100 पुलिस अधिकारी भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा में तैनात

- विदेश सचिव बोले, हिंसा बर्दाश्त नहीं करेंगे

लंदन (एजेंसी)। लंदन में भारतीय उच्चायोग के पास लगभग 2,000 प्रदर्शनकारी खालिस्तान के झंडे लहराते हुए एक सुनियोजित प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं अवरोधक लगे होने के बीच कुछ वस्तुएं फेंकी और नारे लगाए। भारतीय हाई कमीशन ने अपने भवन की छत पर एक अतिरिक्त तिरंगा फहरा कर प्रदर्शनकारियों को जवाब दिया, जिससे प्रदर्शनकारी और भड़क गए और पुलिस अधिकारियों तथा मीडिया कर्मियों पर कुछ वस्तुएं और पानी की बोतलें फेंकने लगे।वहीं ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने बुधवार को कहा कि उनका देश लंदन में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा की समीक्षा करेगा। क्लेवरली ने कहा कि भारतीय उच्चायोग में कर्मचारियों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। मैंने उच्चायुक्त विक्रम दरईस्वामी को अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। पुलिस जांच जारी है। हम लंदन में भारतीय उच्चायोग और दिल्ली में भारत सरकार से नजदीकी संपर्क में हैं। बताया गया है ?कि लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर सड़क के दोनों ओर कम से कम 100 पुलिस अधिकारी पहरा दे रहे हैं। भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई। भारत ने घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने की मांग की थी और आगे से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उपाय करने को भी कहा था। इसके अलावा विदेश मंत्रालय ने भारत में ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिक को तलब कर अपना विरोध जताया था। इस हफ्ते की शुरुआत में पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। जिसके बाद विदेश में उसके कुछ समर्थकों ने भारतीय उच्चायोग पर हमला किया। खालिस्तान समर्थकों ने इमारत की पहली मंजिल पर चढ़कर तिरंगे का भी अपमान किया था।

पाक चुनाव आयोग ने पंजाब में अक्टूबर तक टाले चुनाव, इमरान खान ने संविधान का उल्लंघन बताया

कीव (एजेंसी)। पाकिस्तान के शीर्ष चुनाव निकाय ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत में विधानसभा चुनावों को पांच महीने से अधिक सम के लिए टाल दिया है। इस कदम की पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने आलोचना की है।

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने बुधवार देर रात जारी एक आदेश में कहा कि आयोग के सामने लाई गई रिपोर्टों, ब्रीफिंग और सामग्री पर विचार करने के बाद, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मूल रूप से अप्रैल में होने वाले चुनावों को आयोजित करना और आयोजित करना असंभव है।

ईसीपी ने कहा कि यह चुनाव कार्यक्रम को वापस लेता है और 8 अक्टूबर को मतदान की तारीख के साथ नए कार्यक्रम जारी किए जाएंगे। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की विधानसभाओं को क्रमशः 14 और 18 जनवरी को खान की पार्टी की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा भंग कर दिया गया था।

ईसीपी ने कहा कि सरकार और विभिन्न विभागों और खुफिया एजेंसियों की ब्रीफिंग के बाद यह निर्णय लिया गया कि ÷देश में कानून और व्यवस्था

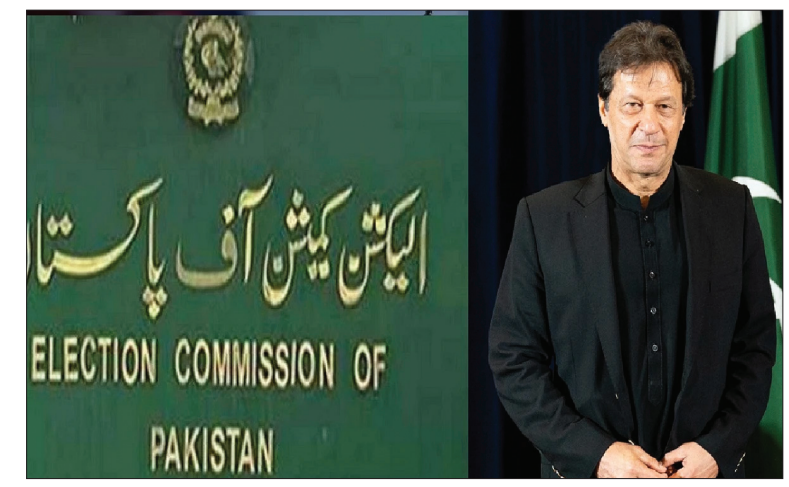

की स्थिति इस समय किसी भी प्रांत में चुनाव कराने की अनुमति नहीं देती है। ईसीपी के अनुसार, इसने 9 मार्च को एक बैठक के लिए आंतरिक और वित्त मंत्रालयों से संपर्क किया, जहां आंतरिक मामलों के विशेष सचिव ने कहा था कि ÷बिगड़ती कानून और व्यवस्था की स्थिति, आवेशित राजनीतिक माहौल और स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव नहीं हैं। वित्त सचिव ने चुनावों के लिए धन की कमी के कारण के रूप में धन की कमी और चल रहे वित्तीय संकट का हवाला दिया था। ईसीपी ने कहा कि पुलिस और रक्षा मंत्री सहित सुरक्षा एजेंसियों के कई वरिष्ठ स्तर के सदस्यों और संघीय सरकार ने चुनाव में देरी करने की सिफारिश की थी। खान ने चुनाव को अक्टूबर तक टालने के ईसीपी के कदम की निंदा की और इसे पाकिस्तान के संविधान का उल्लंघन बताया।

छोटे बैंकों पर खतरा बरकरार, फेडरल रिजर्व और बाइडेन प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल, संकट में फंस सकते हैं 110 बैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बैंकिंग सेक्टर में एक बार फिर हलचल मच गई है। वजह है फाइनेंसियल क्राइसेस मतलब वित्तीय संकट। बीते एक हफ्ते के भीतर अमेरिका के दो बड़े बैंकों पर ताला लग चुका है। पहले तो अमेरिका का सिलिकॉन वैली बैंक बंद हुआ, उसके बाद अब सिग्नेचर बैंक पर भी ताला लग गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे अमेरिका की वित्तीय स्थिरता को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। बाइडेन प्रशासन ने एसवीबी में जमा पूरी रकम जमाकर्ताओं को लौटाने के लिए तुरंत कदम उठाए। हालांकि कई आलोचकों ने इसे बेलआउट बताया है। अमेरिका के अन्य बैंकों पर भी इस तरह के संकट का साया मंडराता नजर आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक के बाद अमेरिका का बैंकिंग संकट व्यापक हो सकता है। अगर हालात नहीं सुधरे तो अमेरिका के लगभग 110 बैंक सिलिकॉन वैली और सिग्नेचर बैंक जैसे संकट में फंस सकते हैं।

हालात हो रहे स्थिर

अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कुछ बैंकों के नाकाम होने से पैदा हुई आशंकाएं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली मजबूत बनी हुई है और कुल मिलाकर हालात अब स्थिर हो रहे हैं। येलेन ने अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में कुछ बैंकों की विफलता से पैदा हुई आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की। हालांकि, उन्होंने कहा कि आगे इस तरह की और नाकामियां होने पर वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा हो सकता है।

अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम की नाकामी

कैलिफोर्निया के सेंटा क्लारा स्थित सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) 10 मार्च को विफल हो गया जब बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर आशंकित जमाकर्ताओं ने अपने पैसे निकालने के लिए भीड़ लगा दी। यह अमेरिकी इतिहास की दूसरी बड़ी बैंक नाकामी थी। इसके कुछ दिन बैंकिंग नियामकों ने न्यूयॉर्क स्थित सिग्नेचर बैंक के भी नाकाम होने की घोषणा कर दी। नियामकों ने कहा कि इन दोनों बैंकों के सभी जमाकर्ताओं की राशि को संघीय जमा बीमा के तहत संरक्षण मिलेगा।

11 बैंकों ने फर्स्ट रिपब्लिक को डूबने से बचाया

पिछले सप्ताह एक और बैंक डूबने के कगार पर पहुंच गया था।

लेकिन अमेरिका के 11 बैंकों ने मिलकर 30 अरब डॉलर लगाकर सैन फ्रांसिस्को स्थित फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को डूबने से बचा लिया था। इस स्थिति में अमेरिकी सरकार भी हरकत में आ गई है और बैंकिंग प्रणाली के प्रति लोगों का भरोसा बहाल करने की कोशिश कर रही है। एसवीबी के डूबने के मामले की न्याय विभाग और प्रतिभूति आयोग ने जांच शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अगले दो-तीन दिन देश के कई राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि के असर

नई दिल्ली । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि बारिश और तेज हवाओं के शुक्रवार तक चलने की उम्मीद के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि 24 मार्च को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। हिमाचल मौसम विज्ञान कार्यालय ने 24 मार्च को ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सोलन सहित छह जिलों में आंधी, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की नारंगी चेतावनी जारी की है। राज्य के बाकी छह जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। स्थानीय मौसम विभाग के प्रमुख ने बताया कि अगले तीन दिनों में राज्य भर में व्यापक वर्षा होने की उम्मीद है। आईएमडी के अनुसार, ओलावृष्टि का मुख्य रूप से पंजाब और हरियाणा को प्रभावित करने की संभावना है और वे पश्चिम राजस्थान में भी फैल सकते हैं। शुक्रवार को चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी इसतरह के हालात रह सकते हैं। आईएमडी ने पश्चिमी राजस्थान और पंजाब के कुछ हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया, जबकि हरियाणा, गुजरात और चंडीगढ़ के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में किसानों से फसलों की कटाई स्थगित करने और पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखने को कहा है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं और ओलों से खड़ी फसलों को नुकसान होने की संभावना है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पहले राज्य में लगातार बारिश के बाद गेहूं की फसल को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए जमीनी स्तर पर आकलन का आदेश दिया था। आईएमडी ने कहा कि अगले कुछ दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ बिजली और तेज हवाओं के साथ काफी व्यापक हल्की या मध्यम बारिश की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में भारी वर्षा की उम्मीद के साथ इस क्षेत्र में एक पीला अलर्ट जारी किया गया था। आंध्र प्रदेश में, आईएमडी ने किसानों को फसलों की खेती बंद करने के लिए कहा क्योंकि अगले पांच दिनों तक गरज और बिजली गिरने के साथ हल्की बारिश होने की उम्मीद है। इसी तरह के मौसम की स्थिति तमिलनाडु और पुडुचेरी में देखी जा सकती है।

कोयले की अवैध खदान धंसने से 4 की मौत, एक दर्जन घायल

धनबाद । धनबाद के तेतुलमारी थाना क्षेत्र में गुरुवार को कोयले की अवैध माइनिंग के दौरान खदान की छत धंसने से कम से कम चार लोगों की मौत हुई है, जबकि एक दर्जन घायल हुए हैं। धनबाद जिले के बाघमारा इलाके के विधायक ढुल्लू महतो ने विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान यह दावा किया है कि इस हादसे में करीब 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना वेस्ट मोदीडीह स्थित बीएसएल माइनिंग आउट सोर्सिंग कंपनी की उत्खनन परियोजना के इलाके में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसा गुरुवार सुबह साढ़े पांच से छह बजे के बीच की है। यहां सुरंगनुमा खदान से कोयला निकालने के लिए हर रोज की तरह दो दर्जन से ज्यादा लोग घुसे थे। इस दौरान खदान की छत धंस गई, जिसके नीचे करीब एक दर्जन लोग आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इनमें से चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक चारों युवक तेतुलमारी शक्ति चौक के आसपास के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि उनकी लाशें ग्रामीण निकालकर ले गए हैं। इधर पुलिस और इलाके में कोयला खनन का काम करने वाली कंपनी बीसीसीएल के अधिकारी इस घटना पर चुप हैं। वहीं यह मामला गुरुवार को झारखंड विधानसभा में भी उठा। विधायक ढुल्लू महतो ने कम से कम 10 लोगों की मौत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि पूरे धनबाद में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। वह तस्वीरें भी दिखा सकते हैं, जहां हादसा हुआ है वह जगह बीसीसीएल मुख्यालय के करीब है। उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर कब प्रशासन अवैध खनन को रोकेगा? इस मामले में बीसीसीएल के अधिकारियों पर भी केस होना चाहिए। टुंडी के झामुमो विधायक मथुरा महतो ने भी सरकार से मांग की कि सभी मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपए और घायलों को पांच लाख रुपए का मुआवजा बीसीसीएल से दिलाया जाए।

दुबई-मुंबई इंडिगो फ्लाइट में शराब के नशे में दो आदमियों ने किया हंगामा, मुंबई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई । दुबई-मुंबई इंडिगो उड़ान में सवार दो यात्रियों को शराब पीने, सह-यात्रियों और चालक दल के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस ने बताया कि दोनों यात्री खाड़ी से लौट रहे थे और ड्यूटी फ्री दुकान से लाई शराब पीकर जश्न मनाने लगे। जब सह-यात्रियों ने हंगामे पर आपत्ति जताई, तो एक आरोपी शराब की बोतल लेकर गलियारे में जाने लगा। पुलिस ने कहा कि चालक दल को बोतलें छीननी पड़ीं, उन्होंने कहा कि मुंबई में उड़ान भरने के बाद दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दत्तात्रेय बापरडेकर और जॉन जॉर्ज डिसूजा के रूप में पहचाने गए आरोपियों पर आईपीसी की धारा 336 (दूसरों के जीवन और सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए) और विमान नियमों के 21,22 और 25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इंडिगो ने कहा, फ्दुबई से मुंबई जाने वाली फ्लाइट 6ई 1088 में दो यात्रियों को नशे की हालत में पाया गया और उन्होंने चालक दल की कई चेतावनियों के बावजूद शराब का सेवन जारी रखा। उन्होंने चालक दल और सह-यात्रियों के साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किया। इस साल यह सातवीं घटना है जब यात्रियों द्वारा अभद्र व्यवहार करने का मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी कई बार फ्लाइट में यात्रियों द्वारा बदसलूकी के मामले सामने आ चुके हैं। बीते 4 मार्च को ही न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही अमेरिकन फ्लाइट में यात्री ने शराब के नशे में पेशाब कर दी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था। इससे पहले 6 दिसंबर को पेरिस से दिल्ली आ रही एयर इंडिया फ्लाइट में भी ऐसी ही घटना हुई थी।

मिजोरम और असम में 400 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

आइजोल/करीमगंज । मिजोरम और असम में बुधवार को भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए गए और इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक जब्त मादक पदार्थों की कीमत 400 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। पूर्वी मिजोरम में म्यांमा की सीमा के पास चम्फाई शहर में एक घर से नशीली दवाइयां की 39 लाख गोलियां जब्त की गयीं, जिनकी कीमत 390.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है। राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इस बीच, एक अन्य अधिकारी ने कहा कि असम के करीमगंज जिले में एक कार में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की गयी, जिसकी अनुमानित कीमत 12 करोड़ रुपये से अधिक है।

मुस्लिम से हिन्दू बनी महिला ने भगवान शिव को चढ़ाया 19 तोले सोने का मुकुट

गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित डासना मंदिर में अमेरिका में रहने वाली एक महिला ने 19 तोले के सोने के मुकुट को भगवान शिव को अर्पित किया है। बताया जा रहा है कि मूलरूप से गुजरात की रहने वाली महिला पेशे से डॉक्टर है और फिलहाल अमेरिका में रहकर डॉक्टर के रूप में काम कर रही है। बताया जा रहा है कि इस महिला मुस्लिम ने सनातन धर्म में वापसी के बाद मनोकामना पूरी होने पर सोने का मुकुट चढ़ाया है। डासना मंदिर के महंत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद सरस्वती के संपर्क में आने के बाद धर्म वापसी करते हुए इस एनआरआई महिला ने सनातन धर्म अपनाया। गौरतलब है कि डासना का देवी मंदिर हमेशा सही सुर्खियों में रहा है, क्योंकि मंदिर के महंत यदि नरसिम्हा नंद सरस्वती हमेशा इस्लाम को लेकर दिए अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस बार अमेरिका में रहने वाली डॉक्टर महिला ने स्वामी यति नरसिंहानंद से बात करने के बाद सनातन धर्म के बारे में पढ़ा और उसके बारे में जानकारी हासिल की, जिसके बाद उन्होंने इस्लाम धर्म को छोड़ते हुए सनातन धर्म अपना लिया। मूलरूप से गुजरात की रहने वाली अमेरिका में डॉक्टर महिला ने अपनी कमाई का 50 फीसदी पैसा सनातन धर्म के लिए काम करने के लिए लगा दिया है। वहीं दूसरी ओर यति नरसिंहानंद सरस्वती के माध्यम से ही उन्होंने सनातन धर्म को जाना उस रिश्ते से दोनों ही गुरु भाई बहन बन गए हैं। मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती ने बताया कि मंदिर में पूर्व में भी चोरी हो चुकी है, तो ऐसे में बहन के द्वारा दिए गए इस मुकुट को जलाकर अष्टधातु की शिव जी की मूर्ति की स्थापना मंदिर में ही की जाएगी।

'लोकतांत्रिक संस्था का अनादर करते हैं राहुल गांधी', पीयूष गोयल बोले- उन्हें वंशवादी मानसिकता से आना चाहिए बाहर

श्रीनगर (एजेंसी)। मानहानी के मामले में सूरत की अदालत ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई। हालांकि, राहुल की जमानत याचिका भी मंजूर कर ली गई। फिलहाल पूरे मामले को लेकर कांग्रेस केंद्र सरकार पर हमलवार है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री और नेता राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। पीयूष गोयल ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी हर लोकतांत्रिक संस्था की अवहेलना और अनादर करते हैं, चाहे वह संसद हो या न्यायपालिका। उन्होंने कहा कि उन्हें इस वंशवादी मानसिकता से बाहर आना चाहिए और यह महसूस करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति देश से बड़ा नहीं है, भारत के लोगों से बड़ा नहीं है, भारत के संविधान से बड़ा नहीं है और किसी को भी खुद को कानून से ऊपर नहीं समझना चाहिए।

भाजपा नेता ने कहा कि इस देश में हमारे पास उच्च सत्यनिष्ठा वाली संस्थाएं हैं जिनके कामकाज पर कभी किसी ने सवाल नहीं उठाया। दुर्भाग्य से, राहुल गांधी ने कभी भी उच्च संवैधानिक कार्यालयों का सम्मान नहीं किया, जिसमें उनके अपने पीएम डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यालय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आपको याद है कि उन्होंने तत्कालीन यूपीए सरकार पर कैसे हमला किया था और तत्कालीन पीएम डॉ मनमोहन सिंह की अध्यक्षता वाली पूरी कैबिनेट द्वारा लिए गए एक वैध निर्णय को फाड़ दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी से आग्रह करूंगा कि अगर वह सत्य और प्रेम की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसा कि वे दावा करते हैं, तो उन्हें इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि आज पीएम नरेंद्र मोदी भारत और दुनिया भर में सबसे प्यारे, प्रशंसित और सबसे भरोसेमंद नेता हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी को अपने गैर-जिम्मेदाराना, अपमानजनक बयानों की श्रृंखला के लिए भारत के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। आपको बता दें कि राहुल गांधी ने अपने लंदन यात्रा के दौरान भारत के लोकतंत्र को लेकर कुछ बाते कही थी जिसको लेकर भाजपा हमलावर है। भाजपा लगातार उनसे मापी की मांग कर रही है। सूरत ज़िला कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दोषी करार दिए जाने पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उन्हें ज़मानत मिल गई है। ये(बीजेपी) लोग पहले जज को बदलते गए,हमें अंदाज़ा लग रहा था लेकिन हम कानून में विश्वास रखने वाले लोग हैं।कानून के तहत ही हम लड़ेंगे।

जयराम रमेश ने सीबीआई को पत्र लिखकर शाह के खिलाफ जांच करने की अपील की

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि मेघालय की पूर्ववर्ती कोनराड संगमा सरकार को भ्रष्ट बताने वाले बयान के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तलब कर वह सूचना और तथ्य लिए जाएं जिनके आधार पर उन्हें ऐसा दावा किया था। उन्होंने सीबीआई निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल से आग्रह किया कि केंद्रीय मंत्री शाह द्वारा लगाए गए आरोप की जांच भी की जाए। रमेश ने पत्र 21 मार्च को लिखा और इसकी प्रति गुरुवार को ट्विटर पर साझा की। उन्होंने पत्र में कहा है, मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि 17 फरवरी 2023 को केंद्रीय मंत्री शाह ने अपनी एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि तत्कालीन मेघालय सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। रमेश ने दावा किया कि शाह भारत सरकार में गृह मंत्री हैं, इसके बाद वह सूचना और तथ्य उनके पास अवश्य होंगे, जिनके आधार पर वह इसतरह के निष्कर्ष तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रहित में आपसे आग्रह करता हूं कि शाह को तलब कर उनसे वह सभी सूचना और तथ्य देने के लिए कहा जाए जिनके आधार पर उन्होंने ऐसा आकलन किया था। फिर मामले की जांच की जाए।

ममता की नवीन पटनायक से मुलाकात, तीसरे मोर्चा को लेकर बनेगी बात

-24 मार्च कोलकाता में कुमारास्वामी से मुलाकात

भुवनेश्वर (एजेंसी)। अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे की सुगबुगाहट के बीच बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी गुरुवार को भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक से मुलाकात करने वाली हैं। ममता ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया है, लेकिन राजनीतिक गलियारे में इस मोर्चेबंदी के रूप में देखा जा रहा है। उधर, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल सेक्यूलर के नेता एचडी कुमारास्वामी भी ममता बनर्जी से मिलने वाले हैं।

वह पटनायक से मुलाकात के अगले दिन 24 मार्च को ममता के कोलकाता स्थित आवास पर उनसे बातचीत करेंगी। कुछ दिनों पहले सपा के अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी से कोलकाता में मुलाकात की थी। इस बीच ममता का तीन दिवसीय ओडिशा दौरे ने तीसरे मोर्चे के सुगबुगाहट को हवा देने का काम किया। राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तब पुरी में बंगाल अतिथि भवन के लिए जगह देखना बहाना है, असल में अगले वर्ष होने जा रहे आम चुनाव की लामबंदी के लिए पिच तैयार करना है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजद सुप्रीम पटनायक पहले से ही कह चुके हैं, कि उनकी पार्टी कांग्रेस एवं भाजपा दोनों ही राष्ट्रीय दलों से समान दूरी बनाए रखेगी। दीदी ने भी भले ही तीसरे मोर्चे की बात नकारते हुए नवीन के साथ होने वाली अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट करार दिया है।हालांकि, राजनैतिक पंडितों का मानना है कि 2024 चुनाव से पहले ममता दीदी का तीन दिवसीय दौरा केवल शिष्टाचार भेंट के लिए नहीं हो सकता है। क्योंकि सभी जानते हैं, कि बीजद के बिना तीसरे मोर्चे की परिकल्पना करना भी बेमानी होगी।

चुनाव से पहले यदि तीसरे मोर्चे का गठन होता है, और मोर्चा को पटनायक का साथ मिल जाता है, तब फिर पश्चिम बंगाल से लेकर गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली एवं आंध्रप्रदेश तक नवीन की छवि का लाभ मोर्चे को मिलेगा। खुद बंगाल में ही शहरी क्षेत्र की कई लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां पर जीत हार में बड़ी भूमिका प्रवासियों की रहती है। इसकारण दीदी से लेकर तीसरे मोर्चे की परिकल्पना करने वाले नेताओं की नजर पटनायक को अपने गुट में लाने की है। इसमें सुगबुगाहट को हवा देने का काम ओडिशा में बदलते राजनीतिक हालात भी कर रहे हैं।

भाजपा सीधे तौर पर पटनायक सरकार पर हमलावर और बंगाल की ही तरह ओडिशा में भी दो प्रमुख पार्टी बीजद एवं भाजपा के बीच टकराव की खबरें आए दिन आने लगी है। इसके बाद माना जा रहा है, कि जब नवीन एवं ममता की मुलाकात होगी, तब निश्चित रूप से दोनों प्रदेश में वर्तमान के हालात की भी चर्चा जरूर होगी और तीसरे मोर्चे की पटकथा लिखी जा सकती है।

140 दिनों में देश में कोरोना के 1,300 नए मामले, पीएम मोदी की आपात बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक दिन में कोरोना संक्रमण के 1,300 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,99,418 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,605 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, एक दिन में नए मामलों की यह संख्या बीते 140 दिनों में सबसे अधिक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक, गुजरात और महाराष्ट्र में संक्रमण से एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,816 हो गई। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, भारत में संक्रमण की दैनिक दर 1.46 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 1.08 प्रतिशत है।

देश में अभी 7,605 लोगों का कोरोना संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.79 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,41,60,997 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.65 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। इस बीच, देश में पिछले दो सप्ताह में इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई और कहा कि कोविड-19 अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को जीनोम अनुक्रमण बढ़ाने तथा लोगों द्वारा कोविड-उपयुक्त व्यवहार अपनाए जाने पर जोर दिया।

पंजाब पुलिस को चकमा दे रहा है शातिर अमृतपाल

- इंटरनेट से घर वालों से कर रहा हे बात, वाई-फाई डेटा जुटाएगी पुलिस

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब पुलिस को कई दिनों से चकमा दे रहा खालिस्तानी अमृतपाल बेहद शातिर भी है। फोन पर बात करने से पुलिस उसकी ट्रैकिंग न कर ले, इसलिए वह घरवालों से इंटरनेट पर बात कर रहा है। पुलिस को इस बात की जानकारी मिली है। पुलिस की एक टीम ने बुधवार को अमृतसर जिले में स्थित उसके गांव जल्लूपुर खेड़ा में उसके परिवार से बातचीत की थी। पुलिस को शक है कि अमृतपाल घर में लगे वाई-फाई से अपने घर वालों से बात कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर में लगे वाई-फाई सिस्टम का पिछले छह महीने का डेटा लेने के लिए संबंधित कंपनी को लिखा है। अमृतसर (देहात) के डीएसपी हरकृष्ण सिंह व डीएसपी परविंदर कौर अमृतपाल के घर पहुंचे थे और परिवार के लोगों से बातचीत की थी। उसके परिवार के सदस्यों से यह भी कहा गया है कि वह अमृतपाल को सरेंडर करने के लिए कहें। अमृतपाल की शादी इंग्लैंड से लौटी किरणदीप कौर के साथ हुई है। जांच एजेंसियों को शक है कि उसकी पत्नी के भी बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ संबंध हैं। किरणदीप कौर के शादी से पहले वारिस पंजाब दे संगठन को फंडिंग करने का भी शक जताया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को अगर पूछताछ के दौरान कोई सुराग हाथ लगता है तो किरणदीप को हिरासत में लिया जा सकता है। किरणदीप कौर और अमृतपाल सिंह की शादी इसी साल फरवरी में हुई थी। वह यूके की एनआरआई है। शादी के बाद कौर अमृतपाल के पैतृक गांव पंजाब के जल्लूपुर खेड़ा में रहने लगी। अमृतपाल सिंह ने अपनी शादी को रिवर्स माइग्रेशन कहा था। उल्लेखनीय है कि अमृतपाल सिंह शनिवार से ही पुलिस को चकमा दे रहा है। बुधवार को जानकारी मिली थी कि अमृतपाल पुलिस से भागते हुए एक गुरुद्वारे में जा घुसा था, जहां उस वक्त एक शादी हो रही थी। अमृतपाल ने यहां बंदूक की धमकी देकर खाना मांगा और कपड़े ले लिए। फिर भेष बदलकर वहां से भाग निकला।

समान नागरिक संहिता व जनसंख्या नियंत्रण कानून 2024 से पहले लागू हो: बाबा रामदेव

- बाबा रामदेव ने मोदी सरकार से की अपील

हरिद्वार (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव ने देश में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) और जनसंख्या नियंत्रण कानून पर पीएम नरेंद्र मोदी की केंद्र सरकार से मांग की है। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द इस ओर प्रभावी कदम उठाकर यह कानून 2024 से पहले लागू कर देना चाहिए। रामदेव का कहना था कि लोगों का सपना था कि भव्य राम मंदिर का निर्माण उनकी आंखों के सामने हो जाना चाहिए। यह बहुत ही खुशी की बात है कि अगले साल जनवरी में राम मंदिर का लोकार्पण हो जाएगा। देश में अनुच्छेद-370 भी हट गया। अब सिर्फ दो काम बाकी रह गए हैं।

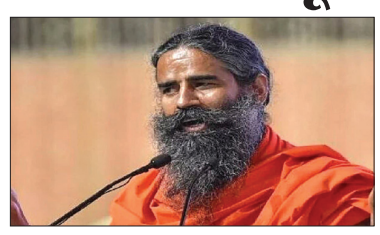

रामदेव ने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि यूसीसी और जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने का काम भी लगे हाथ 2024 से पहले हो जाएगा। यह बातें योगगुरु रामदेव ने नौ दिवसीय संन्यास दीक्षा महोत्सव के शुभारंभ के दौरान कहीं। पतंजलि संन्यासाश्रम के पास ऋषिग्राम में योगगुरु रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के सानिध्य में नौ दिवसीय संन्यास दीक्षा महोत्सव का शुभारंभ किया गया।

ऋषियों के प्रतिनिधि हो रहे तैयार योगगुरु ने कहा कि दीक्षा महोत्सव में ऋषियों के वंशधर को तैयार किया जा रहा है। ये संन्यासी ऋषियों के प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी होंगे। ये संन्यासी सनातन धर्म की पताका, सनातन का झंडा दुनिया में गाड़ेंगे। ये संन्यासी पतंजलि के भी उत्तराधिकारी बनेंगे।

रामदेव ने बताया कि पतंजलि ऋषिग्राम में 60 युवक और 40 युवतियां संन्यास की दीक्षा लेंगी। स्वामी रामदेव सभी को संन्यास की दीक्षा देंगे। वहीं, 500 युवक और युवतियों को महोत्सव में ब्रह्मचर्य की दीक्षा दी जाएगी। आचार्य बालकृष्ण इन 500 युवक और युवतियों को ब्रह्मचर्य की दीक्षा देंगे। योगगुरु रामदेव ने बताया कि संन्यास दीक्षा महोत्सव में सभी समाज के युवक और युवतियों को दीक्षित किया जा रहा है। रामदेव ने बताया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी, स्वामी गुरुशरणानंद सहित अन्य कई बड़े राजनेता और प्रबुद्धजन संन्यासियों को आशीर्वाद देने महोत्सव के समापन पर पतंजलि पहुंचेंगे।

केशव मौर्य का अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप, उनका बस चले तो मेरी हत्या करा दें

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच वार-पलटवार का दौर जारी रहता है। दोनों नेता एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से हमलावर भी रहते हैं। इन सब के बीच केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव को लेकर बड़ा आरोप लगा दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के मन में उनके प्रति जहर भरा है और वह उनकी हत्या भी करा सकते हैं। हालांकि, अखिलेश यादव ने इस बयान पर कहा कि सपा किसी के लिये खतरा नहीं हो सकती। मौर्य ने साफ तौर पर कहा कि वह अखिलेश का सम्मान करते है लेकिन उनके मन में मेरे लिए जहर भरा है।

दरअसल, केशव प्रसाद मौर्य अपने सरकारी आवास पर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उनके किसी ने अखिलेश यादव को लेकर सवाल पूछ लिया। सवाल के जवाब में मौर्य ने कहा कि मैं यह मानता हूं कि उनके मन में मेरे प्रति बहुत जहर भरा है। मैं कभी भी अखिलेश यादव जी को श्री अखिलेश यादव, पूर्व मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष के अलावा उनके प्रति कोई और शब्द प्रयोग नहीं करता लेकिन उनकी जो भावना है, पता नहीं किनसे-किनसे मिली भगत करके, उनका बस चले तो मेरी हत्या करवा दें। उनसे पूछा गया था कि अखिलेश यादव कहते हैं कि केशव प्रसाद मौर्य तो शूद्र हैं, और वह उनके बारे में कुछ भी नहीं कहना चाहते हैं।

भाजपा नेता ने अखिलेश को अपनी पार्टी पर ध्यान देने की सलाह दी। मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी का 2024 के लोकसभा चुनाव में तो सफाया हो ही जाएगा, लेकिन वह पार्टी के काम में ध्यान दें और इस प्रकार की बयानबाजी करके उन्हें अब कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। वहीं, अखिलेश यादव ने मौर्य के इस बयान पर पलटवार भी किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी के लिए खतरा नहीं हो सकती है। उन्हें (मौर्य) परेशानी यह है कि जब से स्वामी प्रसाद मौर्य हमारे साथ हैं, जबसे अवधेश प्रसाद जी सक्रिय हो गए हैं, जब हमारी पार्टी बहुत मजबूती से जमीन पर काम करने लगी है तो उनका जो कुर्सी का चक्कर है, उसके लिए वह (मौर्य) घबराने लगे हैं। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी इनसे (मौर्य) बहुत प्रेम करती है, लेकिन समाजवादी पार्टी यह जानती है कि वह कितने भी अपमानित हो जाएं लेकिन वह भाजपा नहीं छोड़ेंगे।

देश की संसद ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को शहीद दिवस पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को लाहौर षड्यंत्र मामले में मौत की सजा सुनाए जाने के बाद आज ही के दिन अंग्रेजी हुकूमत द्वारा फांसी पर लटका दिया गया था, इसलिए उनकी शहादत को नमन करने लिए 23 मार्च को 'शहीद दिवस' के रूप में मनाया जाता है। संसद के दोनो सदनों में इस मौके पर राज्यसभा ने बृहस्पतिवार को शहीद दिवस के मौके पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने शहीद दिवस का उल्लेख करते हुए कहा, ''हमारी स्वतंत्रता के इन नायकों ने आज ही के दिन 1931 में भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। छोटी से उम्र में दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान ने देश की आजादी के आंदोलन को निर्णायक दिशा दी।'' सभापति ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने शहादत दी ताकि सभी लोग आजादी और सम्मान से जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी।

वहीं, लोकसभा ने बृहस्पतिवार को 'शहीद दिवस' पर भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दी। सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शहीद दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि 1931 में आज के ही दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। बिरला ने कहा कि तीनों महापुरुषों ने सर्वोच्च बलिदान देकर स्वाधीन और सशक्त राष्ट्र की नींव रखी। उन्होंने पूरे सदन और राष्ट्र की ओर से तीनों स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी।

शहीद दिवस के मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के गांव में राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में पंजाब और पंजाबियों के शानदार योगदान को दर्शाने वाली एक विरासत सड़क बनवाने की घोषणा की। मान ने कहा कि मौजूदा संग्रहालय से खटकड़ कलां स्थित शहीद भगत सिंह के पैतृक आवास तक 850 मीटर लंबी विरासत सड़क का निर्माण किया जाएगा। मान ने कहा कि वह पहले ही पर्यटन

एवं संस्कृति विभाग को इस परियोजना को गति देने का निर्देश दे चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले महान शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार कर्तव्यबद्ध है। उन्होंने कहा, हम सभी को शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए कड़े प्रयास करने होंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरनेम मानहानि मामले में राहुल गांधी को 2 साल की सजा,जमानत मिली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
Twitter:-@Krantisamay1
Facebook:- Krantisamay1

सूरत,सूरत कोर्ट ने मोदी सरनेम मानहानि केस में राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए उन्हें 2 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सजा को 30 दिन के लिए सस्पेंड भी कर दिया है, ताकि वह ऊपरी अदालत में इसके खिलाफ अर्जी दे सकें। 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि सारे चोरों के नाम मोदी कैसे? सूरत की सीजेएम कोर्ट ने सुबह 11 बजे फैसला सुनाते हुए राहुल गांधी को दोषी करार दिया। सूरत की सीजेएम कोर्ट पहुंचने पर कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि आप क्या कहना चाहते हैं तो राहुल गांधी ने कहा कि मैं तो हमेशा करप्शन के खिलाफ बोलता हूं। मैंने किसी के खिलाफ जान-बूझकर नहीं बोला, इससे किसी को नुकसान नहीं हुआ। सूरत की अदालत ने राहुल के मोदी सरनेम वाले बयान पर २ साल की सजा सुनाई है। माना जा रहा है कि राहुल के वकील अब उनकी जमानत की अर्जी देंगे। कोर्ट ने साथ ही साथ राहुल को जमानत भी दे दी है। कोर्ट ने इसके अलावा सजा को 30 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया है। 2019 में राहुल ने पीएम मोदी को लेकर बयान दिया था।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी इस सजा के खिलाफ उच्च अदालत में जा सकते हैं। मानहानि के केस में कोर्ट में पेश होने के लिए राहुल गांधी गुरुवार सुबह सूरत पहुंचे थे।

वे पौने 11 बजे सूरत की जिला एवं सत्र अदालत पहुंचे। इसके बाद कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई, जहां पर कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए उन्हें आईपीसी की धारा-504 के तहत मानहानि का दोषी करार दिया। राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का यह मामला दो धाराओं-499 और 504 में था। आईपीसी की धारा-504 में दोषी पाए जाने पर दो वर्ष की सजा का प्रावधान है। अभी कोर्ट ने राहुल को दोषी करार दिया है, लेकिन सजा का ऐलान नहीं किया है।

राहुल गांधी का सूरत एयरपोर्ट के बाहर हुआ जोरदार स्वागत

जब राहुल गांधी के सूरत पहुंचने पर एयरपोर्ट के बाहर उनका पोस्टरों के जरिए स्वागत किया गया। सूरत एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा के बीच वह बाहर

निकले और आठवा कोर्ट के लिए रवाना हुए। राहुल गांधी के स्वागत के लिए सूरत में कांग्रेस ने बड़ी तैयारी की है। राहुल गांधी जब एयरपोर्ट से बाहर निकले तो वहां उनके स्वागत में शेर-ए-हिन्दुस्तान के पोस्टरों से स्वागत हुआ।

कुछ पोस्टरों पर लिखा था कि कांग्रेस नहीं झुकेगी। कोर्ट पहुंचने के रात में तीन स्थानों पर राहुल गांधी का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सूरत के एसके नगर प्वाइंट, एसवीएनआईटी कॉलेज, पूजा-अभिषेक अपार्टमेंट पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंचे और राहुल गांधी का स्वागत किया। मानहानि के मामले राहुल गांधी इससे पहले जब केस कोर्ट पहुंचा था, तब वे जुलाई 2020 में पेश हुए थे।

2019 के लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में कहा था कि सारे चोरों के सरनेम मोदी कैसे हैं? राहुल गांधी के इस बयान के बाद सूरत के वेस्ट से बीजेपी के विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का केस कर दिया था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी ने मोदी समुदाय का अपमान किया। इसके बाद यह केस सूरत की कोर्ट में पहुंचा था। राहुल गांधी को 9 जुलाई 2020 को सूरत की कोर्ट में पेश होना पड़ा था। पिछले महीने पूर्णेश मोदी ने केस में जल्दी फैसला करने के लिए गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने सूरत की कोर्ट से तेज सुनवाई का आदेश देते हुए ऊपरी अदालत में सुनवाई की अर्जी खारिज कर दी थी। पिछले एक महीने से सूरत कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही थी। इसमें दोनों पक्षों की तरफ दलीलें रखी गई थी। इस दौरान राहुल गांधी के वकील ने कहा था कि मोदी कोई समुदाय नहीं है।

राहुल गांधी के सारे आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लक्षित थे। ऐसे में उन्हें मानहानि का केस करना चाहिए। इसके बाद सूरत कोर्ट में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा ने फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च को तारीख निर्धारित की थी। इसके बाद कांग्रेस ने सूरत कूच का ऐलान किया था।

सूरत कोर्ट ने दोषी करार देते हुए सजा को 30 दिन के लिए किया सस्पेंड

10 में से 5 वंदे मातरम ट्रेन हाउसफुल चली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
Twitter:-@Krantisamay1
Facebook:- Krantisamay1

सूरत,भारत में 10 वंदे मातरम ट्रेन संचालित हो रही हैं। इनमें से 5 वंदे मातरम ट्रेनों में पूरी क्षमता के साथ यात्री यात्रा कर रहे हैं।सबसे ज्यादा यात्रा करने वालों में अहमदाबाद मुंबई के बीच चलने वाली वंदे मातरम ट्रेन की सफलता है। वंदे मातरम ट्रेन को जिस तरह यात्री पसंद कर रहे हैं। शताब्दी एक्सप्रेस को भी अब वंदे मातरम ट्रेन में पीछे छोड़ दिया है। रेलवे अब 11वीं वंदे मातरम ट्रेन जयपुर दिल्ली जल्द शुरूकरने जा रहा है। रेलवे वंदे मातरम ट्रेन को जिस तरह की सफलता मिली है।उसको देखते हुए 75 वंदे भारत कृषि यान ट्रेनें तैयार करने की योजना बना रही है। वंदे मातरम ट्रेन से रेलवे को कमाई भी खूब हो रही है। जनता के बीच लोकप्रिय भी हो रही हैं।

जमानत मिलने के बाद राहुल गांधी ने सूरत 'सासु मां रेस्टोरंट' में किया गुजराती भोजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
Twitter:-@Krantisamay1
Facebook:- Krantisamay1

सूरत,मोदी सरनेम को लेकर सूरत कोर्ट में चल रहे मानहानि केस में राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई गई है। साथ ही ऊपरी कोर्ट में अपील के लिए 30 दिन का वक्त देते हुए उन्हें जमानत भी मिल गई है। जमानत मिलने के बाद राहुल गांधी ने सूरत के मशहूर 'सासु मां रेस्टोरंट' में गुजराती भोजन किया। कोर्ट से राहुल गांधी सीधे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने भोजन को लेकर स्थानीय नेताओं से सवाल किए। कांग्रेस नेता ने बताया कि सूरत के फाइव स्टार होटल में भोजन की व्यवस्था की गई है। लेकिन राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें गुजराती भोजन करना है। राहुल गांधी ने कहा कि जहां बढ़िया गुजराती भोजन मिलता है, वहां जाना चाहूंगा। राहुल गांधी की इच्छा के बाद अफरा तफरी मच गई। दरअसल सर्किट हाउस से फाइव स्टार का रूट तय किया गया था और उसी पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। लेकिन राहुल गांधी के अचानक गुजराती भोजन करने की इच्छा व्यक्तकरने पर पूरा रूट बदलना पड़ा। सर्किट हाउस से सासु मां रेस्टोरंट तक सुरक्षा के इंतजाम किए गए और राहुल गांधी ने वहां भोजन किया। रेस्टोरंट में राहुल गांधी ने दो प्रकार की स्वीट डिश का जायका लिया। रबडी और मूंगकी दाल के हलवा के अलावा पंजीबा समोसा, पालक की सब्जी, रोटी, लहसूनी आलू और छांछ का सेवन किया। इस मौके पर राहुल गांधी के साथ गुजरात कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर, गुजरात प्रभारी रघु शर्मा, विपक्ष के नेता अमित चावड़ा समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

नाजायज संबंधों को लेकर दुश्मन बने दोस्त को दोस्त ने उतारा मौत के घाट

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
Twitter:-@Krantisamay1
Facebook:- Krantisamay1

सूरत,गत १५ मार्च को सूरत जिले के मालधा फाटक के निकट से बरामद एक अज्ञात शव के मामले की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक और आरोपी दोनों दोस्त थे, लेकिन नाजायज संबंधों की वजह से एक ने जान गंवा दी और दूसरा जेल पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक १५ मार्च को सूरत जिले के आदिवासी क्षेत्र उमरपाडा तहसील में मालधा फाटक के निकट से एक शव बरामद हुआ था। उमरपाडा पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के बाद जो खुलासा हुआ

वह जानकर पुलिस भी चौंक उठी। मृतक सूरत के छापराभाठा क्षेत्र के रिलायंसनगर निवासी शैलेष केशूभाई चौहाण था। मृतक और उसकी हत्या करने वाला घनश्याम कालूभाई सोलंकी दोस्त थे। दोस्ती के कारण दोनों का एक-दूसरे घर आना-जाना था और उसी दौरान घनश्याम सोलंकी की पत्नी संगीता के साथ शैलेष चौहाण की आंखे मिल गईं और दोनों के बीच नाजायज संबंध कायम हो गए। इसका पता जब घनश्याम को चला तो पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा शुरूहो गया। जिससे तंग आकर संगीता अपने मायके चली गई। हांलाकि संगीता और शैलेष के नाजायज संबंध जारी रहे। घनश्याम सोलंकी को जब इसका पता चला तो उसने शैलेष चौहाण को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। योजना के मुताबिक घनश्याम देवमोगरा मंदिर में देवी माता के दर्शन के बहाने शैलेष को मोटर साइकिल पर लेकर घर से रवाना हुआ। रास्ते में उमरपाडा-मालधा फाटक के निकट जंगल में लघुशंका के बहाने घनश्याम ने बाइक रोकी। उस वक्त घनश्याम ने किसी ठोस पदार्थ से शैलेष पर वारकर उसे मौत के घाट उतार दिया और वहां से फरार हो गया। हांलाकि पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर मामले की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी घनश्याम को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया। नाजायज संबंधों में एक दोस्त की जान चली गई तो दूसरे जेल पहुंच गया। वहीं अन्य पुरुष से नाजायज संबंध बनाने में संगीता ने प्रेमी और पति दोनों को ही गंवा दिया।